दैनिक

साकार भारत

रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

वर्ष : 3 अंक : 198 | पृष्ठ : 8 मुल्य: 1:00 | रायपुर, शुक्रवार 31 जुलाई, 2026 | www.sakarbharat.com

Vastu Guruji

वास्तु हेतु संपर्क करें...

मो.नं. 9074110000 9770888888

गुरु पूर्णिमा पर अघोर गुरु पीठ पहुंचे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, बाबा प्रियदर्शी राम से लिया आशीर्वाद

रायपुर। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायगढ़ जिले के ग्राम बनोरा स्थित अघोर गुरु पीठ पहुंचकर अघोरेश्वर अवधूत भगवान राम जी की प्रतिमा के दर्शन किए। उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। इस दौरान उन्होंने अघोर परंपरा के प्रमुख संत बाबा प्रियदर्शी राम से आशीर्वाद प्राप्त किया और उनका मार्गदर्शन भी लिया। मुख्यमंत्री के साथ वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी भी मौजूद रहे।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर अघोर गुरु पीठ में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, संत-महात्मा और अनुयायी उपस्थित थे। पूरे परिसर में भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा का वातावरण देखने को मिला। वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठानों के बीच मुख्यमंत्री ने अघोरेश्वर अवधूत भगवान राम जी की प्रतिमा के समक्ष नमन किया तथा प्रदेशवासियों के कल्याण की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि गुरु केवल ज्ञान देने वाले शिक्षक नहीं होते, बल्कि वे व्यक्ति के जीवन को सही दिशा देने वाले मार्गदर्शक होते हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है। गुरु ही व्यक्ति के जीवन से अज्ञान का अंधकार दूर कर ज्ञान का प्रकाश फैलाते हैं। गुरु के मार्गदर्शन से ही समाज में नैतिकता, संस्कार और आध्यात्मिक चेतना का विकास होता है। उन्होंने कहा कि गुरु पूर्णिमा का पर्व अपने गुरु के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता प्रकट करने का अवसर है। यह दिन हमें अपने जीवन में गुरु के महत्व को समझने और उनके बताए आदर्शों को अपनाने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपरा अत्यंत समृद्ध रही है। प्रदेश की संत परंपरा ने हमेशा समाज को सद्भाव, सेवा, करुणा और मानवता का संदेश दिया है। अघोर परंपरा भी सेवा, समरसता और मानव कल्याण के मूल्यों को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि संतों और गुरुओं का आशीर्वाद समाज को सकारात्मक दिशा देने के साथ-साथ नई ऊर्जा और प्रेरणा प्रदान करता है।

बाबा प्रियदर्शी राम से मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न सामाजिक और आध्यात्मिक विषयों पर चर्चा की। बाबा प्रियदर्शी राम ने प्रदेश में सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हुए मुख्यमंत्री को आशीर्वाद दिया। उन्होंने समाज में प्रेम, सेवा, सद्भाव और नैतिक मूल्यों को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्यमंत्री ने भी उनके मार्गदर्शन को प्रेरणादायी बताते हुए समाजहित में संतों की भूमिका की सराहना की।

इस अवसर पर वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी ने भी अघोर गुरु पीठ में पूजा-अर्चना कर प्रदेश के विकास और जनकल्याण की कामना की। उन्होंने कहा कि गुरु भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर हैं और उनका सान्निध्य जीवन को सकारात्मक दिशा प्रदान करता है। गुरु के बताए मार्ग पर चलकर ही व्यक्ति अपने जीवन को सफल और सार्थक बना सकता है।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी नागरिक अपने जीवन में गुरुजनों, माता-पिता और शिक्षकों का सम्मान करें तथा उनके आदर्शों का अनुसरण करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि गुरुजनों का आशीर्वाद और संतों का मार्गदर्शन प्रदेश को विकास, समृद्धि और सामाजिक सौहार्द की दिशा में निरंतर आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने सभी नागरिकों के सुखद, समृद्ध, स्वस्थ और मंगलमय जीवन की कामना करते हुए गुरु पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

SHORT NEWS

हंगामे के बीच लोकसभा में एंटी पेपर लीक बिल पास

नई दिल्ली। लोकसभा ने हंगामे के बीच ध्वनिमत से 'पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन बिल, 2026' पारित कर दिया है। यह नया पेपर लीक बिल परीक्षा धोखाधड़ी को रोकने के लिए कठोर प्रावधानों के साथ लाया गया है, जिसमें 10 साल तक की जेल और 50 लाख रुपये का जुर्माना शामिल है, साथ ही त्वरित जांच और फास्ट-ट्रैक अदालतों का प्रस्ताव है। बुधवार को लोकसभा ने पेपर लीक रोकने वाला बिल — 'पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन बिल, 2026' — पास कर दिया। यह बिल ऐसे समय में पास हुआ जब निचले सदन में राहुल गांधी की अमित शाह के खिलाफ टिप्पणियों और इस आरोप को लेकर बार-बार हंगामा हो रहा था कि गृह मंत्री ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर से 'संसद चलो' मार्च के दौरान प्रदर्शनकारी छात्रों पर पैलेट गन चलाने का आदेश दिया था।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव सड़क हादसे में घायल...

झांसी मेडिकल कॉलेज में भर्ती, हालत स्थिर

रायपुर/झांसी। छत्तीसगढ़ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव उत्तर प्रदेश के ललितपुर-झांसी नेशनल हाईवे पर हुए भीषण सड़क हादसे में घायल हो गए। बुधवार दोपहर करीब 3 बजे टेकरी गांव के पास उनकी इनोवा कार हाईवे पर खड़े ट्रक से पीछे जा टकराई, जिससे वाहन का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

जानकारी के अनुसार, किरण सिंह देव दतिया स्थित पीताम्बरा पीठ और बागेश्वर धाम के दर्शन कर परिवार के साथ लौट रहे थे। हादसे के तुरंत बाद उन्हें और उनके घायल चालक को इलाज के लिए झांसी मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उनका उपचार जारी है।

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, हादसे में किरण सिंह देव को कमर सहित शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई हैं। हालांकि डॉक्टरों और उनके करीबियों के अनुसार उनकी हालत स्थिर है और वे खतरे से बाहर हैं।

हादसे के समय किरण सिंह देव के परिवार के सदस्य दूसरी गाड़ी में सफर कर रहे थे। उनकी पत्नी और बच्चे पूरी तरह सुरक्षित बताए गए हैं। सूत्रों के अनुसार, बेहतर इलाज के लिए देर शाम झांसी से छत्तीसगढ़ एयरलिफ्ट करने की तैयारियां भी शुरू कर दी गई थीं। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है।

धरती का श्रृंगार हैं वृक्ष, प्रत्येक व्यक्ति पौधरोपण का संकल्प ले : अरुण साव

रायपुर। वृक्ष धरती का श्रृंगार ही नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। जल संरक्षण, स्वच्छ पर्यावरण और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधरोपण कर उसके संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज गुरु पूर्णिमा एवं अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर वन विभाग द्वारा बिलासपुर के पंडित सुंदरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित वन महोत्सव में ये बातें कही। उन्होंने इस अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण किया। साव ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। उन्होंने वन विभाग के 'पौधा तुंहर दुवार' वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने तेंदूपत्ता संग्राहकों को बोनस राशि का वितरण भी किया।

उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर शिक्षा के मंदिर में वृक्षारोपण होना अत्यंत सुखद एवं प्रेरणादायी है। गुरु त्याग, समर्पण और ज्ञान के प्रतीक होते हैं। आज का दिन गुरुओं के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का अवसर है। आज अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस भी है, जो हमें वन एवं वन्य जीवों के संरक्षण के महत्व की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार मानव शरीर अनेक अंगों से मिलकर बना है, उसी प्रकार पृथ्वी पर जीवन के संतुलन के लिए वृक्ष अत्यंत आवश्यक हैं। जल संरक्षण, स्वच्छ पर्यावरण और धरती को जीवनदायी बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से पौधरोपण को जनआंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किया गया "एक पेड़ मां के नाम" अभियान प्रकृति और मातृत्व के प्रति सम्मान का प्रतीक है। प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल का दायित्व भी निभाना चाहिए।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने किया 'कबीर कुटीर' सामुदायिक भवन का लोकार्पण

रायपुर। वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओपी चौधरी ने रायगढ़ नगर निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 35 (कबीर चौक के पास) नवनिर्मित सामुदायिक भवन 'कबीर कुटीर' का लोकार्पण किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में उन्होंने समाज के लोगों को संबोधित करते हुए समाज की एकजुटता, शिक्षा और युवा सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने किया 'कबीर कुटीर' सामुदायिक भवन का लोकार्पण

मंत्री चौधरी ने कहा कि कबीर दास जी का जीवन और विचार आज भी समाज को नई दिशा देने वाले हैं। उन्होंने कहा कि कबीर जी केवल संत नहीं, बल्कि महान समाज सुधारक और दूरदर्शी चिंतक थे, जिनकी शिक्षाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं।

वित्त मंत्री ने अपने संबोधन में पनिका-महंत समाज से अपने बचपन के आत्मीय संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि समाज के लोगों से उनका रिश्ता वर्षों पुराना है और वे हमेशा समाज की उन्नति के लिए कार्य करते रहेंगे।

उन्होंने कहा कि समाज के भीतर जो प्रतिभाएं आगे बढ़ रही हैं, उन्हें प्रोत्साहित करना और अन्य युवाओं को भी आगे लाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने युवाओं से सुनियोजित तरीके से शिक्षा ग्रहण करने और लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार प्रतियोगी परीक्षाओं, विशेषकर संघ लोक सेवा आयोग की तैयारी करने वाले अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं को दिल्ली में रहकर कोचिंग प्राप्त करने के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रही है। उन्होंने युवाओं से इन योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने का आग्रह किया।

मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि रायगढ़ में पिछले ढाई-तीन वर्षों में विकास कार्यों को अभूतपूर्व गति मिली है। अनेक बड़े विकास कार्य स्वीकृत हो चुके हैं और विभिन्न चरणों में हैं, जिनका लाभ आने वाले समय में जनता को मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परियोजना को स्वीकृत कराने के लिए लगातार प्रयास और कठिन परिश्रम करना पड़ता है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की बड़ी सौगात

बनगांव आश्रम चौक से मुड़ाटोली तक बनेगी 4.89 करोड़ रुपए की सड़क

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले में ग्रामीण अधोसंरचना विकास को लगातार गति मिल रही है। इसी क्रम में जिले के बनगाँव आश्रम चौक से मुड़ाटोली पहुंच मार्ग के निर्माण के लिए 4 करोड़ 89 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार इस सड़क का निर्माण शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा।

यह सड़क लंबे समय से क्षेत्र की प्रमुख मांगों में शामिल थी। प्रशासनिक स्वीकृति मिलने के बाद क्षेत्र के ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। स्थानीय नागरिकों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि

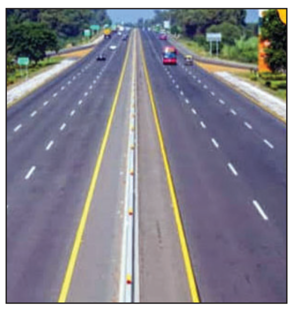

सड़क निर्माण से वर्षों से चली आ रही आवागमन की समस्या का स्थायी समाधान होगा।

नई सड़क बनने से क्षेत्र के विद्यार्थियों, किसानों, व्यापारियों और आम नागरिकों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी। साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और व्यापारिक गतिविधियों को भी नई गति प्राप्त होगी। विशेष रूप से बारिश के मौसम में ग्रामीणों को होने वाली कठिनाइयों से राहत मिलेगी और गांवों की जिला मुख्यालय सहित अन्य क्षेत्रों तक पहुंच अधिक सुगम हो सकेगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले में सड़क संपर्क का लगातार विस्तार हो रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वीकृत सड़क परियोजनाएं न केवल आवागमन को सुगम बना रही हैं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक विकास को भी नई मजबूती प्रदान कर रही हैं। बनगाँव आश्रम चौक से मुड़ाटोली सड़क निर्माण की यह स्वीकृति क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

उप मुख्यमंत्री ने किया बूढ़ा महादेव से खुड़िया तक सावन कांवड़ यात्रा की तैयारियों का मैराथन निरीक्षण

रायपुर। पवित्र सावन मास में मध्यप्रदेश के नर्मदा नगरी अमरकंटक से जल लेकर भगवान बूढ़ा महादेव एवं भोरमदेव मंदिर में जलाभिषेक करने आने वाले हजारों कांवड़ियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कबीरधाम जिले में व्यापक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज बूढ़ा महादेव मंदिर कवर्धा से लेकर भोरमदेव, राजानवागांव, डोंगरिया और मुंगेली जिला के ग्राम खुड़िया तक विभिन्न विश्राम स्थलों, कांवड़ यात्रा मार्ग एवं मंदिर परिसरों का साफ-सफाई, पेयजल, चिकित्सा, सुरक्षा, यातायात और ठहरने की व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर कांवड़ियों और

श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा सभी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि सावन माह में हजारों कांवड़िए और श्रद्धालु इस मार्ग से यात्रा करते हैं। उनकी सुविधा के लिए विभिन्न पड़ावों पर विश्राम स्थलों की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि अमरकंटक में कावड़ियों के लिए विश्राम और भोजन की विशेष व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि 20-20 लाख रुपए की लागत से खुड़िया और लमनी में प्रतीक्षालय का निर्माण किया गया हैं। उन्होंने आज इन व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर अधिकारियों को सभी आवश्यक सुविधाएं समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने भोरमदेव में कांवड़ियों के लिए तैयार किए जा रहे विश्राम स्थल एवं स्वदेश दर्शन योजना के तहत निर्माणाधीन हॉल का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि हॉल के एक हिस्से की तत्काल साफ-सफाई कर उसे कांवड़ियों के ठहरने योग्य बनाया जाए, ताकि सावन माह में श्रद्धालु इसका उपयोग कर सकें। उन्होंने कहा कि कांवड़ियों की सुविधा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूरी हों।

विकास कार्यों और योजनाओं का क्रियान्वयन करें : कलेक्टर

सारंगढ़ बिलाईगढ़। कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने जिले के अधिकारियों की उपस्थिति में मंगलवार को आयोजित समय-सीमा की बैठक में जिले के विकास कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टर ने लातनाला में कार बह जाने की घटना के बाद जिले में ऐसे संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए सभी नालों एवं जलभराव वाले स्थानों पर बैरिकेटिंग लगाने के निर्देश दिए और कहा कि ऐसे मार्गों पर आवागमन पूर्णतः बंद रखा जाए। कोटवार के माध्यम से ऐसे स्थानों में लोगों को वहां से आना जाना रोका जाए।

कलेक्टर ने एग्रीस्टेक में किसानों का शत- प्रतिशत पंजीयन शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश देते हुए अधिकारियों से कार्य में तेजी लाने को कहा।इसी प्रकार मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों को समय- सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। कलेक्टर ने विकसित भारत जीरामजी (मनरेगा) से ग्राम पंचायतों में स्वीकृत कार्यों के शीघ्र क्रियान्वयन एवं प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में जिले के सभी कार्यालयों में (ब्लॉक स्तर पर भी) ऑनलाइन हाजिरी (बायोमैट्रिक और आधार बेस एप्प से) तथा पत्राचार कार्य को ई-ऑफिस के माध्यम से डिजिटल फाइलों का संचालन अनिवार्य करने, सभी अधिकारियों को ई-ऑफिस से ही फाइलें भेजने तथा सभी कर्मचारियों की बायोमेट्रिक उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। इसके अलावा आगामी 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस समारोह पर अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने भटगांव मंडी सचिव को कार्यालय समय में ड्यूटी करने, कौशल विकास अंतर्गत जिले के युवाओं को कौशल विकास की विभिन्न ट्रेनिंग के बैच को नियमित करने, विद्युत तार में प्रवाहित करंट से मृत गाय मालिक को आर्थिक सहायता देने, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी अधिकारी को जिले के सभी जल आवर्धन, जल जीवन मिशन से हुए गड्ढे को ठीक करने, श्रम हितग्राही का अपार आईडी बनाने, रनकोट स्कूल का सीईओ को निरीक्षण करने, पीएम आदर्श ग्राम में पूर्व जारी राशि के कार्य पूर्ण होने के बाद ही अगली राशि जारी के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने नगरपालिका सारंगढ़ के तालाबों की सफाई और देवार पारा में आधार कार्ड बनाने और मुख्यमंत्री मेडिकल (एमएमयू) वाहन से लोगों का इलाज करने के लिए शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार जिले के नगरीय निकायों में सर्वे पट्टा कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में स्कूली बच्चों के जाति प्रमाण पत्र, किसानों के पीएम किसान सम्मान निधि, शासकीय विभागों के भूआबंटन, पीएम आवास, स्वच्छ भारत मिशन आदि के कार्यों को भी शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के तहत बालिकाओं को दिया आत्मरक्षा प्रशिक्षण

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के तहत शा. नवीन पूर्व मा. शा., पोड़ी (राछा) एवं शा. उ. मा. वि., कुरियारी में बालिकाओं के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने, आत्मरक्षा के व्यावहारिक कौशल विकसित करने तथा किसी भी आपात या संकट की स्थिति में स्वयं की सुरक्षा करने के लिए उन्हें सक्षम बनाना था। सेल्फ डिफेंस ऑर्गेनाइजेशन ऑफ छत्तीसगढ़ की प्रशिक्षक ने बालिकाओं को विभिन्न आत्मरक्षा तकनीकों का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने अचानक हमले, गला दबाने या पकड़ लेने जैसी परिस्थितियों में स्वयं को सुरक्षित निकालने के तरीके बताए। साथ ही दैनिक उपयोग की वस्तुओं का आत्मरक्षा में प्रभावी उपयोग करने के व्यावहारिक गुर भी सिखाए।

मानव उत्थान सेवा समिति भिलाई में गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम में पहुंच मंत्री गजेंद्र यादव

बालोद । मानव ऊत्थान सेवा समिति भिलाई के तत्तवाधान मे गुरूपूजा पावन पर्व हंसयोग आश्रम मरौदा भिलाई मे 28 एवं 29 जुलाई को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गजेन्द्र यादव स्कूली शिक्षा ,ग्रामद्योग विधी,विधायी मंत्री छग शासन एवं अध्यक्षता महात्मा भुवनेश्वरी बाई उपप्रभारी मानव उत्थान सेवा समिति छत्तीसगढ़ रहे। विशेष अतिथि, पार्षद ममता सिन्हा, झमित गायकवाड़ जप सदस्य, तुलसी साहू भाजपा ओबीसी मोर्चा दुर्ग संभाग सह प्रभारी रहे। इस अवसर मानसी बदल के रामपाल अग्रसेन पटेल ने संस्था के गतिविधियों के बारे में जानकारी दी और वृक्षारोपण, प्रतिभावान छात्रों का सम्मान, सेवानिवृत्ति शिक्षकों का सम्मान, पर्यावरण एवं मिशन एजुकेशन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया। मंत्री गजेंद्र यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि मनुष्य जीवन बड़े भाग्य से मिला है जीवन में ज्ञान दाता सतगुरु के शरण में जरूर जाएं भारतीय परंपरा में त्योहारों का बड़ा महत्व है जिसमें गुरु पूर्णिमा का पर्व शिष्यों के लिए जीवन जीने का मार्ग प्रशस्त करता है, और भाव बंधन से मुक्ति के लिए सदगुरुदेव के ज्ञान की बहुत ही आवश्यकता है, इसलिए सभी को गुरु धारण जरूर करना चाहिए तभी भाव बंधन से पार हो सकते हैं। अंधेरा कितना ही गहरा क्यों न हो, प्रकाश की एक किरण उस गहरे अंधकार को समाप्त कर देती है महात्मा भुवनेश्वरी बाई जी हरिद्वार से पहुंचे महात्मा भुवनेश्वरी बाई जी ने सत्संग प्रवचन में गुरु पूर्णिमा की बधाई देते हुए कहा कि जीवन में गुरु का होना बहुत ही आवश्यकता है इसलिए शास्त्रों में कहा गया है कि गु माने अंधकार, रु माने प्रकाश अर्थात जो व्यक्ति को अज्ञान रूपी अंधकार से ज्ञान रूपी प्रकाश में ले जाए वह सद्गुरु होता है। उन्होंने आगे कहा कि गुरु वंदना में गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु, गुरु देवो महेश्वरः, गुरु साक्षात् परम ब्रम्ह, तस्मै श्री गुरवे नमः। आत्म तत्व का बोध कराने वाले ही सद् ?गुरु होते हैं।

नकारात्मक शक्तियों की काट है सकारात्मकता

उन्होंने आगे कहा कि संकट के समय में हमें प्रभु के सच्चे नाम का स्मरण करना चाहिए। नकारात्मक शक्ति केवल सकारात्मक शक्ति से ही समाप्त होगी। उन्होंने कहा कि अंधेरा कितना ही गहरा क्यों न हो, प्रकाश की एक किरण उस गहरे अंधकार को समाप्त कर देती है।

जीवन से अज्ञान रूपी अंधकार मिटाकर ज्ञान का प्रकाश फैलाए, वही गुरु है : महात्मा सुनीति बाई जी

प्रयागराज से पहुंचे महात्मा सुनीति बाई जी ने सत्संग में कहां की भारतीय संस्कृति में गुरु पूर्णिमा का पर्व गुरु के प्रति असीम श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता प्रकट करने का पावन अवसर है, जो जीवन से अज्ञान रूपी अंधकार मिटाकर ज्ञान का प्रकाश फैलाए, वही गुरु है।

संत कबीर दास जी ने भी गुरु की महिमा को भगवान से ऊपर बताते हुए कहा है कि

गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय। बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो मिलाय इसलिए मनुष्य को अपने जीवन में समय के सद्गुरु की तलाश करनी चाहिए। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर मानव उत्थान सेवा समिति के सदस्य, शाखा आश्रम विभाग के सदस्य, मानव सेवादल एवं यूथ विंग के सदस्य सहित हजारों की संख्या में श्रद्धालु गण उपस्थित रहे।

कोलकाता में आयोजित सीबीएसई जोनल योगासन प्रतियोगिता में गायत्री विद्यापीठ को मिला कांस्य पदक

राजनांदगांव। कोलकाता में आयोजित सीबीएसई जोनल योगासन मीट 2026 में गायत्री विद्यापीठ, सीबीएसई के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। प्रतियोगिता के अंडर-14 रिदमिक पेयर वर्ग में कक्षा छठवीं के छात्र तनिष्क श्रीवास्तव एवं गुरवेन्द्र साहू ने शानदार योग कौशल का प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस उल्लेखनीय सफलता के पीछे विद्यालय की योग शिक्षिका श्रीमती भारती साहू का विशेष मार्गदर्शन एवं सतत प्रशिक्षण रहा। उनके कुशल निर्देशन और विद्यार्थियों के नियमित अभ्यास ने इस उपलब्धि को संभव बनाया। विद्यालय के प्राचार्य अंकित व्यास ने दोनों विद्यार्थियों एवं योग शिक्षिका श्रीमती भारती साहू को इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाता है।

प्रशासनिक अमले के साथ-साथ तैयारी में जुटे महतारी वंदन योजना के हितग्राही एवं आम नागरिकगण

बालोद। मनोरम प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण बालोद जिले के इतिहास में शीघ्र ही एक और नई उपलब्धि जुड़ने वाली है। बालोद जिले के नागरिकों के द्वारा जिला प्रशासन के साथ कंधे से कंधे मिलाते हुए आज गुरूवार 30 जुलाई को वृहद वृक्षारोपण अभियान के अवसर पर एक साथ पौधरोपण कर पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन के पुनीत कार्य मे अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करेंगे। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तथा उपमुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री विजय शर्मा के मंशानुरूप जल शक्ति अभियान 'कैच द रैन' कार्यक्रम के अंतर्गत बालोद जिला प्रशासन द्वारा आयोजित किए जा रहे महतारी वंदन वृक्षारोपण अभियान के दौरान जिले में महतारी वंदन योजना से लाभान्वित जिले के 02 लाख 45 हजार हितग्राहियों के अलावा अन्य सभी महिलाएं एवं समाज के सभी वर्गों के द्वारा एक साथ वृहद पैमाने पर पौधरोपण किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस अभियान को सफल बनाने हेतु प्रशासनिक अमले के साथ-साथ महतारी वंदन योजना से लाभान्वित हितग्राहियों तथा अन्य महिलाओं के अलावा आम नागरिकगण पूरे मनोयोग से जुड़ रहे हैं। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार वन एवं संबंधित विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों के द्वारा महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों तथा 30 जुलाई को पौधरोपण के कार्य में भागीदारी सुनिश्चित करने वाले लोगों के लिए ग्राम पंचायत मुख्यालयों में समुचित मात्रा में पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित कराई गई है। इसके अलावा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा ग्राम पंचायत मुख्यालयों से पौधा प्राप्त कर आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से पौधरोपण करने वाले सभी लोगों को पौधे वितरित किया जा रहा है। इसके साथ ही महतारी वंदन योजना से लाभान्वित जिले के 02 लाख 45 हजार हितग्राहियों के अलावा अन्य सभी लोगों के द्वारा 30 जुलाई को सुबह 11 बजे अपने घरों, बाड़ियों, खेत-खलिहानों एवं अन्य उपयुक्त स्थलों पर पौध रोपण करने हेतु गड्ढे आदि की खुदाई कार्य भी प्रारंभ कर दी गई है।

जागरूकता अभियान : यातायात पुलिस द्वारा स्कुली बच्चों को यातायात नियमों के संबंध में किया गया जागरूक

बेमेतरा । पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव एवं डीएसपी (मुख्यालय) राजेश कुमार झा, एसडीओपी बेमेतरा भुषण एक्का, एसडीओपी बेरला मती रूचि वर्मा, डीएसपी मती कौशिल्या साहू, मती शशीकला उईके के मार्गदर्शन में जिले भर में सामुदायिक पुलिसिंग के अंतर्गत हमर पुलिस हमर बाजार एवं हमर पुलिस हमर गांव अभियान के माध्यम से सतत जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

इस अभियान के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण, बाल सुरक्षा, नशा मुक्ति, सायबर अपराध, महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित अपराधों की रोकथाम तथा यातायात नियमों के प्रति आमजन, स्कूली बच्चों एवं विद्यार्थियों को जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज 29 जुलाई 2026 को हमर पुलिस हमर गांव अभियान के अंतर्गत शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेमेतरा एवं स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय बेरला में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

पुलिस टीम द्वारा स्कूली बच्चों को यातायात नियमों के पालन की जानकारी दी गई तथा यह समझाया गया कि बिना लाइसेंस वाहन चलाना कानूनन अपराध है। वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना, रजिस्ट्रेशन कार्ड, इंश्योरेंस और ड्राइविंग लाइसेंस जैसे दस्तावेजों की अनिवार्यता बताई गई। बच्चों को यह भी समझाया गया कि वे स्वयं वाहन न चलाएं, पैदल चलते समय फुटपाथ का प्रयोग करें, सड़क पार करते समय सतर्क रहें और मोबाइल फोन अथवा अन्य उपकरणों का प्रयोग न करें जिससे ध्यान भटक सकता है। बच्चों को स्कूल के नियमों का पालन करने तथा अभिभावकों और शिक्षकों की सलाह मानने की अपील भी की गई, ताकि वे सुरक्षित रूप से यात्रा कर सकें। कार्यक्रम का संचालन बेमेतरा यातायात प्रभारी रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो, थाना प्रभारी बेरला उप निरीक्षक राजकुमार साहू के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान सउनि जहीर खान, उदलराम टांडेकर, आरक्षक राजेश राजपूत एवं अन्य पुलिस स्टाफ, विद्यालय की ओर से प्राचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं। बेमेतरा पुलिस का यह अभियान जन-जागरूकता, बाल सुरक्षा एवं महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। जो लगातार जिलेभर में चलाया जा रहा है।

सिकासेर जलाशय से छोड़े गए 15 हजार क्यूसेक पानी से राजिम त्रिवेणी संगम में बढ़ा जलस्तर

राजिम (महाकोशल)। लगातार हो रही बारिश और सिकासेर जलाशय से 15 हजार क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद राजिम के पवित्र त्रिवेणी संगम में जलस्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। राजिम एसडीएम, राजिम थाना प्रभारी और प्रशासनिक अधिकारियों की टीम ने त्रिवेणी संगम पहुंचकर बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने नदी के बढ़ते जलस्तर का निरीक्षण किया और सुरक्षा व्यवस्था का भी आकलन किया। इसके साथ ही कल से शुरू हो रहे पवित्र श्रावण मास को देखते हुए संगम क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर की गई तैयारियों का भी अधिकारियों ने निरीक्षण किया। प्रशासन ने संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं और लोगों से नदी के किनारे अनावश्यक रूप से न जाने तथा प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

उफनते पैंटोरा नाले ने थामी छोटे वाहनों की आवाजाही, प्रशासन अलर्ट

गरियाबंद । जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश का असर अब जनजीवन पर साफ दिखाई देने लगा है। बुधवार को पैंटोरा नाला में अचानक जलस्तर बढ़ने से नाला उफान पर आ गया, जिसके चलते प्रशासन ने एहतियात के तौर पर छोटे वाहनों की आवाजाही रोक दी। तेज बहाव को देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने लोगों से अनावश्यक आवागमन नहीं करने तथा उफनते नालों को पार करने से बचने की अपील की है।

बारिश के बीच सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पैंटोरा छात्रावास के विद्यार्थियों को बारूका स्थित छात्रावास में सुरक्षित शिफ्ट कराया गया। प्रशासन का कहना है कि यह कदम किसी भी संभावित खतरे से बच्चों को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से उठाया गया है। ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि लगातार बारिश के कारण पैंटोरा हॉस्टल के सभी विद्यार्थियों को बारूका हॉस्टल भेज दिया गया है। साथ ही छात्रावास का आधा सामान भी सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया है।

जबकि शेष सामान को भी जल्द स्थानांतरित करने की तैयारी की जा रही है। लगातार हो रही बारिश से जिले के कई नदी-नाले उफान पर हैं। प्रशासन संवेदनशील क्षेत्रों पर लगातार नजर बनाए हुए है और निगरानी बढ़ा दी गई है।

सेजस विद्यालय दुधली में शाला प्रबंधन समिति का गठन, भूपेंद्र धनकर बने अध्यक्ष

बालोद । सेजस विद्यालय दुधली में शाला प्रबंधन समिति के गठन हेतु पालकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से भूपेंद्र धनकर को समिति का अध्यक्ष एवं रेखा ठाकुर को उपाध्यक्ष निर्वाचित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था की प्राचार्य डी.एन. यादव ने की। इस अवसर पर सरपंच पिलेश्वरी नेताम, विषय विशेषज्ञ दानेश्वर देशमुख सहित समिति के सदस्यगण एम.एस. सिन्हा, के. टांडिया, आर.एन. राणा, आर. ठाकुर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता नेमीन गंधर्व, पूर्व विद्यार्थी देव देवांगन, सहायक नर्स भूमिका साहू, उमा लाल देवांगन, हितेश ठाकुर, संजय साहू, देवनारायण ठाकुर, चम्पेश धनकर, रुखमणी पटेल, दिलेश्वरी यादव एवं तीजिया बाई उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी नव-निर्वाचित सदस्यों का तिलक लगाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। नवनियुक्त अध्यक्ष भूपेंद्र धनकर ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यालय में विद्यार्थियों के अनुशासन एवं सर्वांगीण विकास के लिए पालकों के साथ निरंतर संवाद किया जाएगा तथा संस्था की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु शासन से आवश्यक सहयोग प्राप्त करने का प्रयास किया जाएगा। संस्था की प्राचार्य दुर्गेश नंदनी यादव ने सभी सदस्यों से अपील करते हुए कहा कि शाला की बैठकों में पालकों की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित की जाए, ताकि पालक-शिक्षक बैठकों में शत-प्रतिशत उपस्थिति प्राप्त हो सके।कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय के समस्त स्टाफ का सराहनीय सहयोग रहा।

उड़ान महिला सिलाई एवं फैशन बुटीक समूह बना आत्मनिर्भरता की नई पहचान

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता के लिए संचालित विभिन्न योजनाएं ग्रामीण क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। इन्हीं प्रयासों का सशक्त उदाहरण मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिले के मोहला विकासखंड में संचालित उड़ान महिला सिलाई एवं फैशन बुटीक समूह है, जो आज महिलाओं के लिए सम्मानजनक आजीविका और स्वरोजगार का प्रभावी माध्यम बन गया है।

उड़ान महिला सिलाई एवं फैशन बुटीक समूह से जुड़ी 11 महिलाएं ब्लाउज, सूट, पेटीकोट, पिको-फॉल, फ्रॉक, पटियाला, बैग सहित विभिन्न प्रकार के परिधानों की सिलाई एवं फैशन डिजाइनिंग का कार्य कर रही हैं। समूह स्थानीय दुकानों से कपड़े लेकर सिलाई का कार्य भी कर रहा है, जिससे महिलाओं की आय में लगातार वृद्धि हो रही है।

समूह को स्वरोजगार के लिए शासन द्वारा मुख्यमंत्री कोष से 2 लाख 80 हजार रुपये तथा ग्राम संगठन के माध्यम से 1 लाख रुपये का ऋण उपलब्ध कराया गया। इस आर्थिक सहयोग से महिलाओं ने आधुनिक सिलाई एवं फैशन बुटीक की शुरुआत की और अपने हुनर को व्यवसाय का रूप दिया।

समूह की अध्यक्ष श्रीमती रेखा बंजारे ने बताया कि संस्थान की शुरुआत 14 जुलाई 2026 को हुई थी। समूह की महिलाओं की मेहनत और गुणवत्तापूर्ण कार्य के कारण मात्र 15 दिनों में लगभग 30 हजार रुपये की आय अर्जित हो चुकी है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि शासन की योजनाओं से मिले सहयोग और समूह की सामूहिक मेहनत का परिणाम है।

रेखा बंजारे ने बताया कि पहले समूह की अधिकांश महिलाएं केवल घरेलू कार्यों तक सीमित थीं, लेकिन आज वे आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही हैं। संस्थान में सिलाई, बुटीक एवं फैशन डिजाइनिंग का प्रशिक्षण देने के साथ-साथ अन्य महिलाओं को भी स्वरोजगार से जोड़ने के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक महिलाएं रोजगार के अवसरों से जुड़ सकें।

समूह की महिलाओं ने कहा कि शासन की योजनाओं से मिले आर्थिक सहयोग ने उन्हें सम्मानजनक आजीविका और आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया है।

गुरु पूर्णिमा पर वरिष्ठ अधिवक्ता सतीश चंद्र श्रीवास्तव का सम्मान

बलौदाबाजार । गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर नगर के वरिष्ठ अधिवक्ता सतीश चंद्र श्रीवास्तव का जूनियर अधिवक्ताओं द्वारा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान उन्हें शॉल, श्रीफल, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर विधि सेवा में उनके उल्लेखनीय योगदान और मार्गदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में अधिवक्ताओं, समाजसेवियों, बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि सतीश चंद्र श्रीवास्तव ने दशकों से अपनी निष्ठा, ईमानदारी और गहन विधिक ज्ञान के माध्यम से न केवल न्यायालय में उत्कृष्ट सेवाएं दी हैं, बल्कि अनेक युवा अधिवक्ताओं का मार्गदर्शन कर उन्हें विधि व्यवसाय में स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके शिष्य आज जिले एवं प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

सम्मान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सतीश चंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि गुरु-शिष्य परंपरा भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता का दायित्व केवल व्यवसाय तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि कानून का ज्ञान समाज की सेवा और न्याय की स्थापना के लिए भी समर्पित होना चाहिए।

नीट-2026 में खरसिया के एकलव्य आदर्श विद्यालय के तीन विद्यार्थियों ने लहराया परचम, सीएम ने किया सम्मानित

खरसिया/रायपुर। खरसिया विकासखंड के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय छोटे मुड़पार के तीन होनहार विद्यार्थियों ने नीट-2026 में शानदार सफलता हासिल कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 28 जुलाई को राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में आयोजित एकलव्य संवाद कार्यक्रम में तीनों विद्यार्थियों का सम्मान किया।

सीएम ने की विद्यार्थियों से आत्मीय चर्चा

सम्मानित होने वाले विद्यार्थियों में राजू राठिया, धेनु राठिया और डिगेंद्र राठिया शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। सीएम साय ने कहा कि यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं है, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ और विशेषकर जनजातीय समाज के लिए गर्व का विषय है। एकलव्य विद्यालयों के विद्यार्थियों ने सिद्ध कर दिया कि अवसर, संसाधन और संकल्प मिलने पर प्रतिभा किसी भी परिस्थिति की मोहताज नहीं होती।

अच्छा आचरण और सेवा भाव ही डॉक्टर की पहचान

विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आपके विद्यालय का नाम एकलव्य है। एकलव्य ने गुरु द्रोणाचार्य को आदर्श मानकर कठिन परिस्थितियों में भी साधना से दक्षता हासिल की। आप भी उसी भाव से अथक परिश्रम और अनुशासन के साथ लक्ष्य पाएं। सफलता का सबसे बड़ा मंत्र निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास है। उन्होंने आगे कहा कि अच्छा आचरण और सेवा भाव ही एक डॉक्टर की सबसे बड़ी पहचान है। खूब पढ़िए, आगे बढ़िए और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में भागीदार बनिए।

कलेक्टर ने भी दी बधाई

तीनों विद्यार्थियों की सफलता पर जिला स्तरीय आदिम जाति कल्याण एवं आश्रम शैक्षणिक संस्थान समिति के अध्यक्ष एवं रायगढ़ कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय परिवार और खरसिया क्षेत्र के लोगों में इस उपलब्धि को लेकर खुशी का माहौल है।

लिफ्ट देना पड़ा भारी, कॉलेज जा रहे छात्र को लिफ्ट के नाम पर बनाया शिकार

बिलासपुर। बिलासपुर के सरकंडा थाना क्षेत्र में एक शातिर वारदात सामने आई है, जहां कॉलेज जा रहे एक छात्र को लिफ्ट देना भारी पड़ गया। लिफ्ट के बहाने बाइक पर सवार हुए दो बदमाशों ने न सिर्फ छात्र को रास्ते में बंधक बनाने की कोशिश की, बल्कि वीरान इलाके में ले जाकर उसके साथ लात-घूंसों और पत्थरों से बेरहमी से मारपीट की। इसके बाद आरोपी छात्र की मोटरसाइकिल, मोबाइल, एयरबड्स और नकदी लूटकर फिल्मी अंदाज में फरार हो गए। लेकिन, खाकी की मुस्तैदी के आगे इन दोनों शातिरों की चालाकी ज्यादा दिन नहीं टिक सकी और पुलिस ने जाल बिछाकर दोनों आरोपियों को दबोच लिया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने गुरु-शिष्य परंपरा को किया नमन

बलौदाबाजार। शासकीय स्कूल में बुधवार को गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा, उत्साह और भारतीय सांस्कृतिक परंपरा के अनुरूप धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के नर्सरी से लेकर कक्षा 12वीं तक के विद्यार्थियों ने अपने गुरुओं के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके बाद विद्यार्थियों ने गुरु के महत्व पर आधारित भाषण, कविता पाठ, नृत्य और लघु नाटिका प्रस्तुत कर उपस्थितजनों का मन मोह लिया। नन्हे बच्चों द्वारा गुरु गोविंद दोऊ खड़े भजन पर प्रस्तुत मनमोहक नृत्य ने अभिभावकों और शिक्षकों को भावुक कर दिया।

विद्यालय के प्राचार्य एवं संचालक ने अपने संबोधन में कहा कि गुरु जीवन को सही दिशा देने वाले मार्गदर्शक होते हैं। शिक्षक ही समाज के सच्चे निर्माता हैं और गुरु पूर्णिमा का पर्व हमें अपने गुरुओं का सम्मान करने तथा उनके बताए मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने शिक्षकों का तिलक लगाकर एवं पुष्प भेंट कर सम्मान किया। साथ ही अपने प्रिय शिक्षकों के लिए हस्तनिर्मित शुभकामना कार्ड और धन्यवाद पत्र भी भेंट किए। कार्यक्रम के समापन पर प्रसाद वितरण किया गया। आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

जिले में 31 प्रकरणो में ज़ब्त 767.911 किलो गांजे का किया गया नष्टीकरण

सारंगढ़ । नशे के अवैध कारोबार, मादक पदार्थों की तस्करी खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जिला सारंगढ़ पुलिस द्वारा एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत जिले के विभिन्न थानों व चौकियों से जब्त किए गए भारी मात्रा में अवैध गांजे का आज विधिवत नष्टीकरण किया गया। शासन के निर्देशों, मान. न्यायालय के आदेश व गठित जिला स्तरीय ड्रग डिस्पोजल समिति की उपस्थिति में इस पूरी सामग्री का निस्तारण किया गया। पर्यावरण सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस अवैध गांजे को रायगढ़ स्थित एमपीएस स्टील एंड पावर प्लांट की भट्ठी में जला कर पूरी तरह से सुरक्षित माध्यम से नष्ट किया गया । इस पूरी कार्य वाही के दौरान कुल 31 प्रकरणों में जब्त 767. 911 किग्रा अवैध गांजे का सत्यापन करने के पश्चात विनष्टी करण किया गया जिस की कुल कीमत लगभग 1 करोड़ 53 लाख 58 हजार 220 रुपये है। विगत 5 वर्षों में जिलेभर में दर्ज कुल नष्टीकरण प्रकरणों में सबसे अधिक कार्यवाही थाना सरिया क्षेत्र में हुई, जहाँ 9 मामले दर्ज थे । वहीं दूसरे स्थान पर थाना बिलाईगढ़ रहा, जहाँ 5 मामले दर्ज किए गए थे।

कलेक्टर ने सतर्कता बरतने के दिये निर्देश बाढ़ प्रभावित जिले के 5 पुल आवागमन हेतु बंद

बलौदाबाजार । जिले में विगत 24 घण्टे से रुक -रुक कर हो रही बारिश से नदी -नाले का जल स्तर बढ़ गया है जिससे कई पुल और चेक डेम में बाढ़ की स्थिति निर्मित हो गई है। जिला प्रशासन द्वारा सतर्कता बरतते हुए बाढ़ ग्रस्त 5 पुलों को आवागमन के लिये बंद कर दिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासखंड पलारी स्थित महानदी अमेठी घाट में पुल से 2 फीट ऊपर पानी बह रहा है, भाटापारा सुहेला मार्ग जमुनिया नाला पुल में 1 फिट ऊपर पानी, सुहेला में भंवरगढ़ -बरडीह मार्ग जमुनिया नाला पुल एवं शिकारी केशली मारह जमुनिया नाला में 1-1 फिट ऊपर पानी, बलौदाबाजार विकासखंड के अचानकपुर चेक डेम में 2 फिट ऊपर पानी है इस सभी 5 पुलों में प्रशासन द्वारा आवागमन बंद कर दिया गया है।

कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों को पुल -पुलियों में बाढ़ की स्थिति पर कड़ी निगरानी एवं ग्रामीणों को एहतियात बरतने सम्बन्धी सूचना देने कोटवारो के माध्यम से मुनादी कराने के निर्देश दिये है,वहीं बाढ़ प्रभावित पुलों में बेरीकेटिंग एवं कर्मचारी तैनात करने के भी निर्देश दिये है। इसके साथ ही राहत एवं अपदा प्रबंधन,होमगॉर्ड,पुलिस की टीम को भी अलर्ट रहने निर्देशित किया है।

सेजस डौंडीलोहारा में वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों हेतु कॅरियर काउंसलिंग का हुआ आयोजन

बालोद । स्वामी आत्मानंद स्कूल डौंडीलोहारा में वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों हेतु करियर काउंसलिंग का आयोजन हुआ। पीएम स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी एवं हिंदी माध्यम विद्यालय, डौंडीलोहारा में कक्षा 11वीं एवं 12वीं के वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सी.ए. पूजा जैन उपस्थित रहीं। उन्होंने विद्यार्थियों को वाणिज्य क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न करियर विकल्पों, चार्टर्ड अकाउंटेंसी की तैयारी, बोर्ड परीक्षाओं के प्रबंधन तथा भविष्य की संभावनाओं के संबंध में बहुमूल्य एवं व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था प्रमुख डी.आर. देवहरे एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी भूषण साहू ने की। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर सतत मेहनत करने की प्रेरणा दी।

इस अवसर पर विषय शिक्षक श्री पी.के. कंवर, श्री एम.डी. साहू, जी.एस. आर्य,श्री शशांक सोनकर एवं श्री अभिषेक कुमार, श्री अविनाश साहू सहित वाणिज्य संकाय (कक्षा 11वीं एवं 12वीं) के सभी छात्र-छात्राएं उत्साहपूर्वक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं एवं प्रश्नों का मुख्य अतिथि द्वारा समाधान भी किया गया।

कुपोषण के खिलाफ मजबूत पहल

महासमुंद । कलेक्टर विनय लंगेह के मार्गदर्शन में जिला अस्पताल महासमुंद स्थित पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) कुपोषित बच्चों के लिए नई उम्मीद बनकर उभरा है। पिछले दो वर्षों में एनआरसी के माध्यम से जिले के 357 गंभीर कुपोषित बच्चों का सफल उपचार कर उन्हें स्वस्थ जीवन की मुख्यधारा से जोड़ा गया है। यह जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के समन्वित प्रयासों का परिणाम है। जिला अस्पताल में संचालित 15 बिस्तरों वाले एनआरसी में 1 माह से 5 वर्ष तक के गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों को पूरी तरह नि:शुल्क उपचार, विशेष चिकित्सकीय निगरानी और संतुलित पोषण उपलब्ध कराया जाता है।

अखिल भारतीय वरिष्ठ नागरिक महासंघ का राज्य स्तरीय सम्मेलन वृंदावन भवन रायपुर में संपन्न बेमेतरा के वरिष्ठ नागरिक हुए शामिल

बेमेतरा। अखिल भारतीय वरिष्ठ नागरिक महासंघ का छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन वृंदावन भवन रायपुर में हुआ छत्तीसगढ़ महतारी का आरती पूजा के पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ कार्यक्रम की अध्यक्षता एम के रैना अखिल भारतीय वरिष्ठ नागरिक महासंघ नवी मुंबई स्वागत गीत के पश्चात स्वागत भाषण यमला साहू संयुक्त सचिव द्वारा प्रस्तुत किया गया मंचासीन अतिथियों का सम्मान पुष्प गुच्छ साल और प्रतीक चिन्ह बैठकर किया गया आमंत्रित अतिथियों में रामशिला साहू डॉ वेदांती मंडावी डॉक्टर शकुंतला साहू मोतीलाल साहू विधायक रायपुर ग्रामीण ललित शाह प्राचार्य मैडम रैना ,यमला साहू ने नारी शक्ति करण स्वतंत्रता और शाम समानता पर प्रकाश डाला डॉक्टर शकुंतला साहू ने वैदिक काल से लेकर आधुनिक काल तक समझ में नारियों का विशेष स्थान रहा माता पार्वती अनसूईया सीता सावित्री दुर्गावती झांसी की रानी लक्ष्मीबाई कला और साहित्य क्षेत्र में अग्रणी रही खेल के क्षेत्र में लेकर आंतरिक अंतरिक्ष और साहस का अद्भुत परिचय दी है राजनीति में भी समानता के अधिकारियों के लिए संघर्षरत है गायन के क्षेत्र में नहीं भूलाया जा सकता मीरा साहू एवं मंडली द्वारा गौरागीत पंथी गीत राउत नाचा प्रस्तुत किया गया महिलाओं द्वारा योग प्रदर्शन किया गया डॉक्टर वेदांती मंडावी ने अपने उद्बोधन में कहा कि जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवताओं का वास होता है महिला सशक्तिकरण पर चर्चा की मोतीलाल साहू विधायक रायपुर ग्रामीण ने कहा कि महिलाओं को समझ में काम करने का अवसर मिलना चाहिए राजनीति में आगे आने के लिए आह्वान किया डॉक्टर शकुंतला साहू ने नारी सशक्तिकरण पर चर्चा की नारी के बिना पुरुष और पुरुष के बिना नारी का जीवन अधूरा है कहा कांटो के बीच फूलों की तरह मुस्कुराना सीखे रजत जयंती के अवसर पर पुस्तक का विमोचन किया गया । राधेश्याम अग्रवाल दुर्ग ने अपने उद्बोधन में कहा कि वरिष्ठ नागरिकों की सहायता के लिए आगे आने पर जोर दिया भजनलाल ने अपने उद्बोधन में विभिन्न जिलों से आए संगठन के पदाधिकारीयो के उद्बोधन के एवं सम्मान साल और प्रतीक चिन्ह भेंट कर किया गया जिसमें दुर्ग से रामनारायण साहू धनेश कुमार सोलंकी मुंगेली चिंताराम साहू नारायण प्रसाद साहू कृष्णा प्रसाद तिवारी चंद्रिका प्रसाद तिवारी सुलेमान खान उषा साहू कमल साहू सरोजिनी साहू अनुसुइया ठाकुर विद्यावती कोल्हे है बेमेतरा अंत में मुख्य अतिथि एसके रैना का उद्बोधन हुआ उन्होंने छत्तीसगढ़ में आमंत्रित करने का महत्व सुधार हूं कहां सन 1999 में संयुक्त राष्ट्र संघ में वरिष्ठ नागरिकों के भरण पोषण एवं सुरक्षा के संबंध में नियम बनाने के बाद बताई राष्ट्रीय स्तर पर हमारा संगठन बहुत सशक्त है का हमें अपने संगठन को वृद्ध जनों के हित में काम करने के लिए कहा देश में अभी 3 करोड़ वरिष्ठ नागरिक है संगठन के लिए सेवा भाव से काम करने के लिए कहा संगठन के लिए क्या कर सकता हूं ऐसा विचार हमारे मन में आना चाहिए हमें अपने दायित्व निर्वहन करना चाहिए और अपने अधिकारियों के लिए सजग रहने की आवश्यकता है।

कुछ देना किसी भी रूप में, कहीं भी, किसी के भी द्वारा हो सकता है

फिल्म 'दीवार' में अमिताभ बच्चन के हम्माल के किरदार को याद कीजिए, जो हार्बर से गोदाम या ट्रकों तक भारी बोरियां ढोता था? यह 1970 के दशक की बात है। अब 2026 में आइए। शायद आपने एआई का वह विज्ञापन देखा होगा, जिसमें पावरलूम चलाने वाला एक युवा कपड़ा मजदूर बुनाई करते हुए फोन पर एआई का इस्तेमाल करता है। वह इंटरव्यू के जवाबों का अभ्यास करता है और अंततः जॉब इंटरव्यू में अधिक आत्मविश्वास के साथ अपीयर होता है।

मदुरै के अलवरपुरम में दिहाड़ी मजदूर के बेटे पी. मणिमारन इन दोनों दृश्यों का कॉम्बिनेशन हैं। परिवार की बदतर आर्थिक स्थिति के चलते 'दीवार' के विजय की तरह उन्होंने भी 10वीं के तुरंत बाद काम शुरू कर दिया।

वीकेंड पर भी यह युवा हम्माल शायद ही ब्रेक लेता। शिफ्टों के बीच और वीकेंड पर भी वह टीएनपीएससी की परीक्षा की तैयारी करता था। इसी कड़ी मेहनत का नतीजा था कि उन्होंने पोस्ट ग्रेजुएशन और फिर एमफिल की पढ़ाई पूरी की।

2015 में वह सरकारी सेवा में विलेज एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर बने और बाद में सीनियर रेवेन्यू ऑफिसर के पद तक पहुंचे। सरकारी नौकरी ने उनका जीवन बदल दिया। उन्हें तो यह तक नहीं पता था कि सरकारी नौकरी के लिए टीएनपीएससी परीक्षा पास करनी पड़ती है। फिर एक दोस्त ने उनकी मदद की। मणिमारन यह एहसान चुकाना चाहते थे, लेकिन अपने मित्र की नहीं, बल्कि उन गरीबों की मदद करके, जो जीवन में कुछ बनना चाहते थे।

2018 में मणिमारन ने पड़ोस के युवाओं को सरकारी प्रतियोगी परीक्षाओं के बारे में जागरूक करना शुरू किया और वीकेंड में उन्हें पढ़ाने भी लगे। आज वह पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम के नाम पर दो मुफ्त कोचिंग सेंटर चलाते हैं।

अब तक इन केंद्रों में एक हजार से ज्यादा युवा ट्रेंड हो चुके हैं, जिनमें से 33 ने ग्रुप-2 और ग्रुप-4 की परीक्षाएं पास की हैं। मणिमारन का मानना है कि शिक्षा ने उनकी पारिवारिक स्थिति बेहतर की तो अब वह उन लोगों को गाइड करेंगे, जो वैसा ही संघर्ष झेल रहे हैं और जिनके पास कोई मार्गदर्शक नहीं है।

अगर आप प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी नहीं करा सकते तो फिर स्टेट ट्रांसपोर्ट के बस ड्राइवर एच.ओ. कृष्णमूर्ति के जीवन से सबक ले सकते हैं। बेंगलुरु में कृष्णमूर्ति हर सुबह जब वह सुबह 6:15 बजे डिपो-33 से बस लेकर निकलते हैं तो साई टिफिन्स नाम की जगह पर रुकते हैं।

वहां से 10 फूड पैकेट लेकर सीट के नीचे रखते हैं और बस स्टैंड की ओर चल पड़ते हैं। जब तक वह मुख्य बस स्टैंड (मैजेस्टिक) पहुंचते हैं, तब तक हर पैकेट किसी जरूरतमंद के हाथों में पहुंच जाता है। कृष्णमूर्ति बेघर, बेसहारा बुजुर्गों और ऐसे ही दूसरे लोगों को तलाश कर उन्हें गर्मागर्म भोजन देते हैं।

वीकली-ऑफ को छोड़ कर रोजाना वे अलग-अलग तरह के पुलाव बांटते हैं। इंतजार करते कई बेघर लोग तो उनकी बस को भी पहचानने लगे हैं और भोजन लेने खुद आगे आ जाते हैं। हर महीने वे 7-8 हजार रुपए खर्च करते हैं और सैलरी मिलने पर होटल का भुगतान कर देते हैं। सुबह के सफर के बाद भी उनका यह दयाभाव जारी रहता है। हर महीने वह डिपो के पास रहने वाली उस बुजुर्ग महिला को राशन देते हैं, जिन्हें स्ट्रोक आ चुका है।

कृष्णमूर्ति द्वारा कई वर्षों से चुपचाप किए जा रहे इस दयालुतापूर्ण कार्य पर लोगों का ध्यान तब गया, जब इस रूट की नियमित यात्री रजनी राव ने इस बारे में सोशल मीडिया पोस्ट की। डिपो में भी वह कर्मचारियों के ऐसे समूह का हिस्सा हैं, जो मेडिकल इमरजेंसी में साथियों और उनके परिवारों की मदद के लिए पैसे जुटाते हैं। हाल ही में एक कर्मचारी के बच्चे को ब्रेन ट्यूमर हुआ तो इस समूह ने उपचार के लिए 1.5 लाख रुपए जुटाए।

फंडा यह है कि देना इंसानियत का सेलिब्रेशन है। इसके लिए पैसा या समय देना ही जरूरी नहीं, यह सड़क चलते दी गई मुस्कान भी हो सकती है। यह किसी अकेले व्यक्ति की हौसला-अफजाई के लिए कहे गए शब्द भी हो सकते हैं, जैसे 'आप कैसे हैं?'

जो नाकाम हो गए, समाज को उनके बारे में भी सोचना चाहिए

नीट परीक्षा का परिणाम आ चुका है। जो जीत गए उन्हें बधाई मिली है। पर जो चूक गए, उनका क्या? और जो इस परीक्षा की तैयारी करते हुए अपने जीवन से ही छूट गए, वे? क्या आप भी उन सभी को याद कर रहे हैं? क्योंकि जो हारते हैं- परीक्षा में या जीवन की परीक्षा में- उनकी कोई रैंकिंग नहीं होती।

वर्टिकल ऊंचाई सिर्फ जीत के हिस्से आती है। जो छूट गए, उनकी गलती इतनी ही थी कि वे समझ नहीं पाए कि परीक्षाएं अपने साथ सिर्फ विषय का पाठ्यक्रम लेकर नहीं आतीं। वे आती हैं उन तमाम अनिश्चितताओं के साथ, जो किसी छात्र के आत्मविश्वास को आसानी से हर लेती हैं। इसलिए क्या जीत की गूंज में हमें पहले वो याद आते हैं, जो किसी भी कारण से सफल नहीं हो पाए?

कुछ भी हो, लेकिन एक समाज को सिर्फ सफलता की ओर ही तो नहीं देखना चाहिए। हां, यह सच है कि सफलता की दिशा होती है और एक मंजिल भी, जबकि असफलता के हिस्से न दिशा आती है और न कोई मंजिल।

लेकिन क्या हमें उनके लिए नहीं सोचना चाहिए जो अपनी उलझनों, परीक्षा के दबाव और पेपर-लीक के आघात से अपनी सांसें छोड़ गए? जीत की तो स्वतः ब्रांडिंग हो जाती है, लेकिन उनके संघर्ष का क्या जो संख्याओं के खेल में कुछेक प्रतिशत से रह गए होंगे!

परीक्षा के परिणाम हमेशा की तरह उनको ढूंढते हैं, जो सफल हो जाते हैं। और हो भी क्यों नहीं। इतना आसान नहीं होता नीट या जेईई की परीक्षा अच्छे नंबरों से पास करना। लेकिन यह भी जरूरी है कि समय सभी की ओर वह संवेदनशील निगाह करे। क्योंकि जब नतीजे मनमुताबिक नहीं आते, तो मानो जीवन ही कुछ बेमतलब-सा लगने लगता है।

लगता है जैसे किस्मत ही मेहरबान नहीं रही, और इंसान खुद की काबिलियत पर संदेह करने लगता है। उसकी वह वर्षों की कड़ी मेहनत और रंगी कॉपियां बेकार लगने लगती हैं। उस पल में जिंदगी का हर मकसद बेमानी हो जाता है। नाकामी का असर घातक होता है। भले ही रैंक नहीं आई हो, नाकामियों से बहुत सीख मिलती है। लेकिन भला जीतने के युग में कोई हार से क्या सीखे? और समाज भी अपने पूर्वग्रहों के साथ जीतने वाले व्यक्ति को ही सलाम करता है। ऐसे में आप भी हमारे साथ उनके बारे में सोचिए, जो इस बार इस परीक्षा में उत्तीर्ण नहीं हो पाए। हम ऐसी दुनिया में रहते हैं, जहां 'फिनिशिंग लाइन' लगातार आगे बढ़ती रहती है और जोर-जोर से आवाज लगाती है, 'और तेज दौड़िए, और तेज... बस भागते रहिए।' कुछ लोग थोड़े-से अंकों के फर्क से उस लाइन को पार कर लेते हैं, जबकि दूसरे उन्हीं अंकों के गणित में उलझकर खो जाते हैं।

और फिर जोश, सपने, अनुशासन, माता-पिता को गर्व महसूस कराने की चाहत, जीतने की भूख, किसी को कुछ साबित करने की इच्छा, सब कुछ पल भर में समाप्त हो जाता है, और जिंदगी मानो कुछ लंबे समय तक के लिए ठहर सी जाती है।

लेकिन इससे एक सवाल भी उठता है : क्या जिंदगी सिर्फ किसी परीक्षा के दायरे में ही घूमती है, और क्या किसी इंसान की अहमियत या उसकी असलियत सिर्फ नतीजों से तय होती है? फिर कांट के दर्शन का क्या होगा? क्योंकि वे मानते रहे कि किसी कार्य का मूल्यांकन सिर्फ परिणाम से नहीं, बल्कि उसके मोरल इंटेंट से भी होना चाहिए।

इस आकलन का फायदा यह होता है कि जीत के शोरगुल में बीच हार का मौन उतना भारी नहीं पड़ता। क्योंकि घर में, उनके आसपास कोई न कोई कहता रहता है कि उस विद्यार्थी ने बहुत मेहनत की है और सफलता तो मिलकर रहेगी। उस ईमानदारी से की गई मेहनत को कोई महसूस करने वाला होता है।

जो उत्तीर्ण नहीं हो पाते, उनके साथ भी समाज को खड़ा रहना चाहिए। अगर समाज समावेशी-भाव को बढ़ावा देगा तो सांसें कम छूटेंगी, हौसला कम टूटेगा और कभी न हारने वाला भाव समाज का हिस्सा बना रहेगा।

और हम सभी उत्तीर्ण विद्यार्थियों के संघर्ष को तो सुनेंगे ही, उनको भी सुनेंगे जो असफल होने के बावजूद शायद कुछ कहना चाहते हों। यह पाठक और लेखक के बीच के उस अनमोल रिश्ते की हिफाजत के लिए दिल से निकली एक आवाज है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

जीवन को सिद्धांतों से जोड़ें, तभी हर गतिविधि होगी परिपक्व

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

मनुष्य का जीवन केवल निरंतर परिश्रम करने का नाम नहीं है, बल्कि उस परिश्रम को सही दिशा देकर पुरुषार्थ में बदलना ही वास्तविक सफलता का आधार है। आज अधिकांश लोग दिन-रात मेहनत तो करते हैं, लेकिन उनकी गतिविधियों में सूझ, बूझ और बोध का अभाव दिखाई देता है। यही कारण है कि परिश्रम के बावजूद अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पाते। यदि जीवन में स्थायी सफलता और संतुलन चाहिए, तो इन तीनों गुणों को अपने व्यक्तित्व का हिस्सा बनाना होगा।

सूझ का संबंध बुद्धि और विवेक से है। यह हमें सही समय पर उचित निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करती है। बूझ केवल ज्ञान नहीं, बल्कि परिस्थितियों को समझने और उनके अनुरूप व्यवहार करने की कला है। वहीं बोध आत्मा की अनुभूति है, जो व्यक्ति को सही और गलत के बीच अंतर करने की प्रेरणा देता है। जब ये तीनों गुण हमारे जीवन में सक्रिय होते हैं, तब हर कार्य केवल एक जिम्मेदारी नहीं रहता, बल्कि वह पुरुषार्थ का रूप ले लेता है।

अनुशासन भी जीवन को परिपक्व बनाने का महत्वपूर्ण आधार है। सेना में परेड का विशेष महत्व इसलिए होता है क्योंकि वह सैनिकों के भीतर आत्मानुशासन और जिम्मेदारी का भाव विकसित करती है। सैनिकों को सुबह उठने के बाद अपना बिस्तर बिना किसी सिलवट के व्यवस्थित रखने का अभ्यास कराया जाता है। यह देखने में छोटी-सी आदत लग सकती है, लेकिन यही छोटी बातें व्यक्ति के चरित्र, कार्यशैली और जीवन-दृष्टि को मजबूत बनाती हैं। जब जीवन छोटे-छोटे सिद्धांतों से संचालित होता है, तब हर गतिविधि में गुणवत्ता, अनुशासन और परिपक्वता स्वतः दिखाई देने लगती है।

वर्तमान समय में केवल परिश्रम पर्याप्त नहीं है। शिक्षा और समाज में बढ़ती अनियमितताएं, जैसे परीक्षा पत्र लीक होना या विश्वास से जुड़ी व्यवस्थाओं में भ्रष्टाचार, यह दर्शाते हैं कि परिश्रम के साथ नैतिकता और आत्मबोध का होना कितना आवश्यक है। यदि व्यक्ति अपनी आत्मा की आवाज सुनते हुए यह संकल्प ले कि वह किसी भी प्रकार के अनैतिक कार्य में सहभागी नहीं बनेगा, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन की शुरुआत हो सकती है।

जीवन की सच्ची उन्नति तभी संभव है, जब हमारा प्रत्येक प्रयास केवल मेहनत तक सीमित न रहकर पुरुषार्थ का स्वरूप धारण करे। सूझ, बूझ, बोध और सिद्धांतों पर आधारित जीवन न केवल व्यक्ति को सफल बनाता है, बल्कि समाज में भी विश्वास, नैतिकता और उत्कृष्टता की नई मिसाल स्थापित करता है।

नागरिक कौन है, इसी से तय होगा कि अधिकार किसे मिलेंगे

चुनाव आयोग का कहना है कि वही लोग वोट डाल सकेंगे, जो नागरिकता साबित कर सकेंगे। यह व्यवस्था पहले ही बिहार और बंगाल में लागू की जा चुकी है। अब इसे देश में लागू करने की बात हो रही है। यहां 4 सवाल हैं। नागरिकता का मतलब क्या है?

क्या नागरिकता तय करने के कई तरीके हैं और भारत इनमें किस मॉडल को अपनाता है? कौन-कौन-से दस्तावेज नागरिकता साबित करते हैं? और क्या दस्तावेज के आधार पर नागरिकता तय करना लोगों को बाहर करने वाला तरीका है, सभी को साथ लेने वाला तरीका है या पूरी तरह तटस्थ है?

दार्शनिक हाना आरेंट ने नागरिकता को 'अधिकार पाने का अधिकार' कहा था। नागरिक वह व्यक्ति होता है, जिसे कानून किसी राजनीतिक समुदाय का सदस्य मानता है और उसे कई अधिकार मिलते हैं। पुराने समय में ऐसा नहीं था। तब लोग नागरिक नहीं, राजा की प्रजा होते थे।

उनके अधिकार राजा की इच्छा पर निर्भर थे। 18वीं सदी के आखिर में जब अमेरिका और फ्रांस में क्रांति हुई, तब पहली बार नागरिकता पर आधारित व्यवस्था शुरू हुई। पश्चिम के दूसरे देशों में भी धीरे-धीरे नागरिकता की व्यवस्था विकसित हुई। भारत में भी अंग्रेजों के शासन के दौरान लोग नागरिक नहीं, बल्कि प्रजा थे। करीब 600 रियासतों में भी यही व्यवस्था थी। भारत में नागरिकता का विचार आजादी के बाद ही सच में लागू हुआ।

नागरिकता तय करने के दो मुख्य तरीके हैं। पहला जन्म के आधार पर नागरिकता। इसमें व्यक्ति जिस देश में पैदा होता है, वही उसकी नागरिकता का आधार बनता है। इसमें जाति, धर्म, लिंग या नस्ल मायने नहीं रखते।

दूसरा वंश के आधार पर नागरिकता। पहले वाले को अमेरिका में जन्मसिद्ध नागरिकता भी कहा गया है। यही कारण था कि 1867 में संविधान के 14वें संशोधन के बाद गुलाम रहे लोगों को भी नागरिकता मिली।

अमेरिका और फ्रांस जन्म के आधार पर नागरिकता वाले देशों के सबसे अच्छे उदाहरण हैं। वहीं जर्मनी और जापान वंश के आधार पर नागरिकता वाले देशों के उदाहरण माने जाते हैं। जब सोवियत संघ टूटा, तब वहां रहने वाले 10 लाख से ज्यादा जातीय जर्मन- जो सोवियत नागरिक थे- जर्मनी जाकर वहां के नागरिक बन गए। इसी तरह, पेरू के राष्ट्रपति अल्बर्टो फुजीमोरी ने 2000 में अपनी सरकार गिरने के बाद जापान जाकर नागरिकता ले ली, क्योंकि उनके पूर्वज जापानी थे।

भारत किस मॉडल का पालन करता है? नीरजा गोपाल जयाल की किताब 'सिटीजनशिप एंड इट्स डिस्कंटेंट्स : एन इंडियन हिस्ट्री' बताती है कि संविधान सभा ने साफ तौर पर जन्म के आधार पर नागरिकता को चुना था, न कि वंश के आधार पर नागरिकता को।

संविधान सभा ने इस सिद्धांत के आधार पर कानून बनाने की जिम्मेदारी संसद को दी। 1955 के मूल नागरिकता कानून में कहा गया कि भारत में जन्म लेने वाला हर व्यक्ति भारतीय नागरिक होगा, जब तक कि वह पाकिस्तान या किसी दूसरे देश की नागरिकता न चुन ले।

उस समय कैरेबियन, मलाया, केन्या, युगांडा, दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों को भारतीय नागरिकता नहीं दी गई। उन्हें कहा गया कि वे जिस देश में रहते हैं, वहीं की नागरिकता लें।

1980 के दशक से- खासकर असम आंदोलन के बाद- भारत की नागरिकता व्यवस्था बदलने लगी। अब सिर्फ भारत में जन्म लेना ही नागरिकता के लिए काफी नहीं रहा। नीरजा जयाल लिखती हैं कि 1987 से पहले भारत में जन्म लेने वाला हर व्यक्ति कानूनी रूप से भारतीय नागरिक है, लेकिन 1987 से 2003 के बीच जन्म लेने वालों को तभी नागरिकता मिलेगी, जब उनके कम से कम एक माता या पिता भारतीय नागरिक हों।

2004 के बाद भारत में जन्म लेने वाले ऐसे बच्चों को जन्म से नागरिकता नहीं मिलेगी, जिनके माता-पिता में से एक अवैध प्रवासी हो। असम में बांग्लादेश से आने वाले कई प्रवासी मुसलमान थे। इसलिए 'अवैध प्रवासी' की यह श्रेणी, जन्म के आधार पर नागरिकता के सिद्धांत में धर्म के आधार पर एक छिपा हुआ अपवाद बन गई।

आज विवाद इस पर नहीं है कि सिर्फ भारतीय नागरिकों को ही वोट देने का अधिकार होना चाहिए। विवाद इस पर है कि नागरिकता साबित करने के लिए कौन-कौन से दस्तावेज जरूरी होंगे? भारत में ऐसा कोई एक दस्तावेज नहीं है, जो नागरिकता साबित करता हो।

यहां सिर्फ करीब 8% लोगों के पास पासपोर्ट है। जन्म प्रमाण पत्र का मामला तो और जटिल है। जितनी ज्यादा उम्र के लोग हैं, उतनी ही संभावना है कि उनका जन्म घर पर हुआ हो और उनके पास जन्म प्रमाण पत्र न हो।

यहां यह सवाल भी समीचीन है कि अगर वोट देने के लिए जन्म प्रमाण पत्र को जरूरी बना दिया गया तो किन समुदायों के मतदाताओं की संख्या वोटर लिस्ट में कम हो जाएगी और इससे किसे चुनावी फायदा मिलेगा?

पश्चिम बंगाल की नई सरकार ने कहा कि अगर आपका नाम वोटर लिस्ट में नहीं है, तो आपका राशन बंद कर दिया जाएगा। हमें समझना होगा कि नागरिकता सिर्फ एक अधिकार नहीं है, वह दूसरे अधिकार पाने की भी नींव है। **(ये लेखक के अपने विचार हैं)**

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

मंथरा ने कैकेईजी से कहा, क्या तुम जानती नहीं हो कि सौत कहीं किसी सौत को मन से प्यार कर सकती है ? इतने दिन तक कौशल्या ने तो तुम्हारे प्रति प्रेम का दिखावा इसलिए किया क्योंकि वह जानती है - महाराज श्रीदशरथ आपसे बहुत प्यार करते हैं और कौशल्याजी के सामने दो ही मार्ग थे। या तो वे महाराज श्रीदशरथ से झगड़ा करें या और कोई उपाय निकालें। किंतु चतुर गंभीर राम महतारी - अरे राम की माता तो बड़ी चतुर एवं गंभीर है। इसका अर्थ है कि वह तो चतुर है पर आप बड़ी भोली-भाली और सरल हैं। और भई ! यह शब्द व्यक्ति को बड़ा अच्छा लगता है। क्योंकि व्यक्ति यह समझ लेता है कि सरलता, भोलेपन का अर्थ है कि हम बड़े गुणवान हैं। उसने कहा कि तुम्हें तो अपने स्वार्थ की रंचमात्र चिंता नहीं है पर वह तो बड़ी चतुर है। इसलिए देखो न उन्होंने चुपचाप योजना

बनाकर महाराज श्रीदशरथ से राम के राज्याभिषेक का निर्णय करा दिया। और कल राम अयोध्या के सिंहासन पर बैठेंगे तथा राम के सिंहासन पर बैठने का फल होगा कि भरत कारागार में डाल दिए जाएंगे और लक्ष्मण युवराज होकर अयोध्या के राज्य का आनंद लेंगे। कैकेई पूछ दिया, मेरे प्रति क्या व्यवहार किया जाएगा ? तो जानबूझ कर कैकेई के अहंकार पर चोट पहुंचाने के लिए मंथरा ने कहा कि आपसे तो बस यही व्यवहार किया जाएगा कि यदि तुम और भरत कौशल्या के यहां सेवा में रहोगी, तब तो किसी प्रकार से रहने पाओगी, नहीं तो अयोध्या से भगा दी जाओगी। और जब कैकेई के अहंकार पर चोट लगती है तो कांपने लग जाती है।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

जिनके शब्दों का प्रभाव अधिक, उन्हें ज्यादा सतर्क रहना चाहिए

आज जब सीजेपी नई पीढ़ी की राजनीतिक आवाज बनकर उभरी है, तब यह याद करना आवश्यक है कि इसकी शुरुआत आखिर हुई कहां से। किसी चुनावी घोषणा-पत्र से नहीं, किसी रैली से नहीं, बल्कि सुप्रीम कोर्ट की एक सुनवाई के दौरान सीजेआई की एक टिप्पणी से।

15 मई को दिल्ली हाई कोर्ट में वरिष्ठ अधिवक्ताओं के चयन से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कुछ लोगों को कॉकरोच और परजीवी बताते हुए कहा था कि वे मीडिया, सोशल मीडिया और आरटीआई एक्टिविस्ट बनकर व्यवस्था पर हमला करते हैं।

बाद में मुख्य न्यायाधीश ने स्पष्ट किया कि उनकी टिप्पणी केवल उन लोगों के लिए थी, जो फर्जी डिग्रियों के आधार पर वकालत में प्रवेश करते हैं। उनका स्पष्टीकरण ईमानदार था, लेकिन तब तक वह टिप्पणी पूरे देश में फैल चुकी थी।

समस्या केवल गलत समझे जाने की नहीं होती, बल्कि कभी-कभी ऐसी बात कह देने की भी होती है जिसे कहने की कोई आवश्यकता नहीं थी। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा सबक यही है। न्यायाधीशों को संयमित भाषा में बोलने का प्रशिक्षण दिया जाता है।

संतुलित और मितभाषी होना न्यायिक पद का आभूषण नहीं, बल्कि उसकी मूल पहचान है। फर्जी डिग्रियों से जुड़े एक मामले की सुनवाई कर रहे न्यायाधीश के सामने एक सीमित और तकनीकी प्रश्न था। वहां कीट-पतंगों की उपमा देने की आवश्यकता नहीं थी। परंतु भारतीय अदालतों में मौखिक टिप्पणियां न्यायिक संस्कृति का हिस्सा बन चुकी हैं।

कई लोग इन्हें अदालत की सामान्य बातचीत मानते हैं। कभी जज किसी तर्क की परीक्षा लेते हैं, कभी वकीलों को परखते हैं, तो कभी अपना क्रोध या असहमति व्यक्त कर देते हैं। पहली नजर में यह सब सामान्य लगता है। लेकिन न्यायालय से निकला कोई भी शब्द सामान्य नहीं होता। उसका प्रभाव दूर तक जाता है।

हाल ही में वोडाफोन और समायोजित सकल राजस्व विवाद के दौरान कंपनी के शेयरों में बढ़त और गिरावट अदालत की टिप्पणियों के असर से दिखाई दी। पिछले वर्ष सितंबर में जब सरकार ने अदालत में कहा कि वह कंपनी की याचिका का विरोध नहीं कर रही है, तो लिखित आदेश आने से पहले ही कंपनी के शेयरों में तेज उछाल आ गया।

अदालत की मौखिक टिप्पणी निवेशकों के लिए संकेत बन गई। टिप्पणियां सकारात्मक परिणाम भी देती हैं। बुलडोजर के माध्यम से की गई अवैध ध्वस्तीकरण कार्रवाई से जुड़े मामलों की सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा था कि केवल इस कारण किसी पिता का घर नहीं गिराया जा सकता कि उसका बेटा किसी अपराध में आरोपी है।

लिखित दिशानिर्देश आने से पहले ही कई राज्यों ने ऐसी कार्रवाइयों पर विराम लगा दिया था। एक टिप्पणी ने कार्यपालिका को उस संयम की ओर प्रेरित किया, जिसे बाद में न्यायालय ने औपचारिक रूप से भी स्वीकारा।

इसलिए प्रश्न यह नहीं है कि मौखिक टिप्पणियां अच्छी हैं या बुरी। प्रश्न इससे कहीं सरल, और कहीं अधिक कठिन है- शब्दों का महत्व होता है, और जिनके शब्दों का प्रभाव सबसे अधिक होता है, उन्हें उनका प्रयोग अधिक सावधानी से करना चाहिए।

ऐसे समय में सबसे आसान प्रतिक्रिया अकसर नियंत्रण की होती है- यह कि वीडियो क्लिप्स पर रोक लगा दी जाए। सुप्रीम कोर्ट ने हाल में कुछ सीमा तक यही किया है। परंतु यह अनुचित प्रतिक्रिया है। भारत में अदालतें हमेशा से जनता के लिए खुली रही हैं। यह खुलापन किसी सरकार की कृपा नहीं, बल्कि हमारी संवैधानिक परंपरा है। टेक्नोलॉजी ने इस परंपरा का केवल विस्तार किया है। ऐसे समय में पारदर्शिता कम करना परिस्थितियों को समझने में विफलता है।

पिछले कुछ दिनों की घटनाओं ने दिखाया है कि कठोर प्रतिबंध किसी आंदोलन को दबाने के बजाय उसे और अधिक बल दे सकते हैं। इससे बेहतर होगा कि न्यायालय अभिव्यक्ति पर रोक लगाने के बजाय रिपोर्टिंग को अधिक व्यवस्थित बनाएं।

जो लोग अदालतों से रिपोर्टिंग करते हैं, उनके लिए अधिक सुदृढ़ मान्यता (अक्रेडिटेशन) व्यवस्था विकसित करने पर गंभीरता से विचार किया जा सकता है। अक्रेडिटेशन सेंसरशिप नहीं है। इसका उद्देश्य केवल यह सुनिश्चित करना है कि अदालत की कार्यवाही को कवर करने वाले पत्रकार कानून की पर्याप्त समझ रखते हों और जानते हों कि मौखिक टिप्पणी और न्यायिक आदेश में क्या अंतर है, और कौन-सी टिप्पणी या घटना वास्तव में समाचार है और क्या केवल वायरल सामग्री। और यदि अदालत नहीं चाहती कि उसकी कार्यवाही सोशल मीडिया पर वायरल हो, तो सबसे सरल उपाय यही है कि वह संयम का पालन करे।

न्यायाधीश अकसर कहते हैं कि वे केवल अपने निर्णयों के माध्यम से बोलते हैं। लेकिन अगली बार जब अदालत में कोई अतिरिक्त टिप्पणी करने का प्रलोभन हो, तो उन्हें याद रखना चाहिए कि देश सुन रहा है। (ये लेखकों के अपने विचार हैं)

विधायक अनुज शर्मा ने शाला परिसर में सांस्कृतिक मंच में शेड निर्माण का घोषणा किया

धरसींवा। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोहदी (धरसींवा) में गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम में धरसींवा विधायक अनुज शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर मुख्य अतिथि एवं उपस्थित अतिथियों का गर्मजोशी से अभिनंदन किया।

गुरुपूर्णिमा के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में विधायक अनुज शर्मा ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले सम्मानित शिक्षकों को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। इसके साथ ही नए शैक्षणिक सत्र में प्रवेश लेने वाले छोटे-छोटे बच्चों को तिलक लगाकर, पुस्तकें एवं गणवेश वितरित कर शाला प्रवेश कराया गया। शैक्षणिक एवं अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों को भी स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर उनका हौसला बढ़ाया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए विधायक श्री अनुज शर्मा ने गुरुपूर्णिमा पर्व की शुभकामनाएं दीं और कहा कि गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागू पाय, बलिहारी गुरु आपने गोविंद दियो बताय।गुरु का स्थान हमारे जीवन में सर्वोच्च है। गुरु ही मार्गदर्शक बनकर समाज और राष्ट्र के निर्माण में अहम भूमिका निभाते हैं।एक बच्चे के जीवन में माता-पिता उसे जन्म देते हैं, लेकिन उसे सही मायने में इंसान बनाने, उसके भीतर के अंधकार को मिटाकर ज्ञान का प्रकाश फैलाने का काम हमारे शिक्षक करते हैं।हमारे शिक्षक केवल पढ़ाते नहीं हैं, वे भावी भारत का निर्माण करते हैं। शिक्षा ही किसी भी समाज और देश की प्रगति का आधार है। नया शैक्षणिक सत्र सिर्फ किताबों के नए पन्नों को पलटने का नाम नहीं है, यह आपकी उम्मीदों, सपनों और नई सफलताओं की नींव रखने का उत्सव है। आज यहाँ जिन बच्चों को साइकिल दी गई है, वह सिर्फ लोहे और पहियों की गाड़ी नहीं है—यह आपके सपनों की रफ्तार है! अब दूर-दराज से आने वाले हमारे बच्चों को स्कूल पहुँचने के लिए सोचना नहीं पड़ेगा। यह साइकिल आपको आपकी मंज़िल तक और तेज़ी से पहुँचाएगी।

उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा, 'प्रदेश सरकार हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। विद्यार्थी जीवन में अनुशासन और निरंतर अभ्यास को ही अपना ध्येय बनाएं। ज्ञान की इस बगिया में नए कदम रखने वाले हमारे प्यारे नौनिहालों को मेरी ओर से ढेर सारा प्यार, आशीर्वाद और हार्दिक बधाई! आज हमने इस प्रांगण में जो पौधे रोपे हैं, उन्हें सिर्फ मिट्टी में गाड़कर छोड़ना नहीं है।

किराए पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

रायपुर में पीतल को सोना बताकर 22 लाख की ठगी

मुंबई से 3 लोगों को किया गिरफ्तार, बताया- खुदाई में पुराना सोना मिला

रायपुर। 'खुदाई में पुराने जमाने का सोना मिला है... बहन की शादी है, इसलिए सस्ते में बेच रहे हैं।' इस कहानी पर भरोसा कर रायपुर के तीन लोगों ने लाखों रुपए गंवा दिए। ठग पहले हार का छोटा टुकड़ा तोड़कर जांच कराते थे। वह असली सोना निकलता था। इसके बाद पूरा हार बेच देते, लेकिन बाद में पता चलता कि वह पीतल का है।

करीब 22.50 लाख रुपए की इस ठगी का खुलासा करते हुए रायपुर पुलिस ने अंतरराज्यीय गिरोह के मास्टरमाइंड शंभू राय समेत तीन आरोपियों को मुंबई से गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि इसी गिरोह ने रायपुर के न्यू राजेंद्र नगर, तेलीबांधा और डीडी नगर थाना क्षेत्र में तीन अलग-अलग वारदातों को अंजाम दिया। शुरुआती जांच में गिरोह के उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में सक्रिय होने और करोड़ों रुपए की ठगी करने के संकेत मिले हैं।

एक जैसी कहानी, एक जैसा तरीका

जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि तीनों मामलों में आरोपियों का तरीका बिल्कुल एक जैसा था। वे खुद को दिहाड़ी मजदूर या खुदाई का काम करने वाला बताते थे। फिर दावा करते कि खुदाई के दौरान उन्हें पुराने सोने के गहने और सिक्के मिले हैं।

विश्वास जीतने के लिए वे हार का पहले से तैयार रखा गया असली सोने का छोटा टुकड़ा तोड़कर जांच के लिए देते थे। ज्वेलर्स से उसके असली होने की पुष्टि होते ही पीड़ित भरोसा कर लाखों रुपए में पूरा हार खरीद लेता। बाद में पता चलता कि पूरा हार पीतल का है और आरोपी मोबाइल बंद कर गायब हो चुके हैं।

स्टोन बेचने के बहाने चुनता था शिकार

पुलिस के मुताबिक, मुख्य आरोपी शंभू राय अलग-अलग शहरों में राशि पत्थर (स्टोन) बेचने का काम करता था। इसी दौरान वह आर्थिक रूप से सक्षम लोगों पर नजर रखता और उन्हें अपना शिकार बनाता था।

पूछताछ में खुलासा हुआ कि गिरोह दिल्ली के करोल बाग से पीतल के हार और अन्य नकली आभूषण खरीदता था। इन्हें पुराना खजाना बताकर बाजार कीमत से काफी कम दाम में बेचने का लालच दिया जाता था।

न्यू राजेंद्र नगर में एक कारोबारी से 2.50 लाख रुपए ठगे। तेलीबांधा में मोबाइल एक्सेसरीज कारोबारी को 10 लाख रुपए में पीतल का हार बेच दिया। डीडी नगर में 2 किलो पुराना सोना बताकर एक युवक से 10 लाख रुपए ले लिए।

तकनीकी जांच और मोबाइल लोकेशन के आधार पर पुलिस टीम मुंबई पहुंची और शंभू राय, गीता गुजराती और शांति गुजराती को गिरफ्तार किया।

आरोपियों के कब्जे से 9 लाख रुपए नकद, 12 चांदी के सिक्के, पीतल के कई आभूषण, चार मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। मुख्य आरोपी के पास से चार अलग-अलग फर्जी आधार कार्ड भी मिले हैं, जिनकी जांच की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने पूछताछ में कई राज्यों में एक दर्जन से ज्यादा वारदातें करना स्वीकार किया है। अब संबंधित राज्यों की पुलिस से संपर्क कर इनके आपराधिक रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश भी जारी है।

सरोना थाना प्रभारी मालिक राम केंवट को दी विदाई, नए थाना प्रभारी वर्मा का किया स्वागत

सरोना। ग्राम पंचायत सरोना में ग्रामवासियों एवं जनप्रतिनिधियों ने थाना प्रभारी मालिक राम केंवट को ससम्मान विदाई दी। नवनियुक्त थाना प्रभारी योगेंद्र वर्मा के स्वागत समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने मालिक राम केंवट के कार्यकाल की सराहना की। उन्होंने उनके सरल स्वभाव, बेहतर पुलिसिंग, जनसहभागिता, कानून-व्यवस्था बनाए रखने में निभाई गई सक्रिय भूमिका की प्रशंसा की। उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। नवनियुक्त थाना प्रभारी योगेंद्र वर्मा का पुष्पगुच्छ एवं शॉल भेंटकर स्वागत किया गया। ग्रामवासियों एवं जनप्रतिनिधियों ने उनसे क्षेत्र में शांति, सुरक्षा, कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने की अपेक्षा व्यक्त की। कार्यक्रम में सरोना सरपंच दीपिका वट्टी, उपसरपंच दिनेश सहारे, जनपद सदस्य चिंतामणि रामटेके, जीवन नेताम, सुरेश साहू व अन्य रहे।

5-7 गुना तक बढ़ा लोगों के घर का बिजली बिल:कांग्रेस

रायपुर। स्मार्ट मीटर और बढ़ते बिजली बिलों को लेकर कांग्रेस का अभियान जारी है। पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने ईश्वरी चरण शुक्ल वार्ड के राजीव नगर इलाके में घर-घर पहुंचकर लोगों से संपर्क किया। इस दौरान कांग्रेस ने स्मार्ट मीटर को 'महतारी वंदन वसूली मीटर' नाम देते हुए आरोप लगाया कि भाजपा सरकार महतारी वंदन योजना के तहत महिलाओं को मिलने वाली राशि की वसूली बढ़े हुए बिजली बिलों के जरिए कर रही है। विकास उपाध्याय ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के नेतृत्व में पूरे प्रदेश में महंगी बिजली दरों और स्मार्ट मीटर के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस कार्यकर्ता लोगों की सहमति से स्मार्ट मीटर हटाने के लिए आवेदन भी भरवा रहे हैं।

उपाध्याय ने दावा किया कि पहले जिन परिवारों का बिजली बिल 1000 से 1500 रुपए आता था, स्मार्ट मीटर लगने के बाद कई उपभोक्ताओं के बिल पांच से सात गुना तक बढ़ गए हैं। इससे मध्यम और निम्न आय वर्ग के परिवारों का मासिक बजट बिगड़ गया है। कई लोगों को बिजली बिल जमा करने के लिए कर्ज लेना पड़ रहा है और ब्याज का बोझ भी उठाना पड़ रहा है।

25 अक्टूबर को व्यापमं लेगा परीक्षाः शिक्षकों के 1654 पदों पर भर्ती

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूलों में शिक्षक भर्ती की प्रक्रिया में तेजी आई है। सहायक शिक्षक के बाद अब शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया शुरू हो रही है। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने आदेश जारी कर दिया है। इसके तहत राज्य के सरकारी स्कूलों में ई संवर्ग और टी संवर्ग में 1654 रिक्त पदों पर शिक्षकों की भर्ती की जाएगी। दरअसल, राज्य में शिक्षक दो विभागों स्कूल शिक्षा और ट्राइबल डिपार्टमेंट के अधीन हैं। ई संवर्ग यानी स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षक और टी संवर्ग यानी ट्राइबल डिपार्टमेंट के शिक्षक। शिक्षक भर्ती की परीक्षा 25 अक्टूबर 2026 को प्रस्तावित है। परीक्षा छत्तीसगढ़ कर्मचारी मंडल द्वारा आयोजित की जाएगी। शिक्षक भर्ती के लिए जारी विज्ञापन से साफ है कि आधे से ज्यादा पद अंग्रेजी और संस्कृत शिक्षक के लिए हैं। बता दें कि अंग्रेजी के 504 रिक्त पद हैं जबकि संस्कृत शिक्षक के 300 पद हैं। इस तरह से 804 पदों पर इन दोनों विषयों के शिक्षकों की नियुक्ति होगी। कुछ दिनों पहले ही स्कूल शिक्षा विभाग ने सहायक शिक्षकों के पद के लिए विज्ञापन जारी किया था। इसमें सहायक शिक्षकों के 2292 पदों पर भर्ती होनी है। इसमें शिक्षा विभाग (ई-संवर्ग) के 795 पद और ट्राइबल विभाग (टी-संवर्ग) के 1497 पद शामिल हैं।

5 केंद्रीय जेलों से 101 उम्रकैदियों को मिलेगी रिहाईः अच्छे आचरण और कलेक्टर-एसपी की रिपोर्ट के आधार पर हुआ चयन

रायपुर। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर छत्तीसगढ़ सरकार 101 उम्रकैदियों को रिहा करेगी। जेल डीजी हिमांशु गुप्ता ने बताया राज्य की पांचों केंद्रीय जेलों में सजा काट रहे इन कैदियों को 14 अगस्त को रिहा किया जाएगा।

जेल प्रशासन ने अच्छे आचरण, जेल में अनुशासित व्यवहार और जिला प्रशासन की रिपोर्ट के आधार पर इनका चयन किया है। इन कैदियों की रिहाई जेल अधिनियम और राज्य सरकार की समयपूर्व रिहाई नीति के तहत की जा रही है।

रिहाई से पहले प्रत्येक मामले की जांच की गई है। इसमें जेल में उनके व्यवहार के साथ-साथ संबंधित जिले के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक (एसपी) की रिपोर्ट भी शामिल की गई।

इन रिपोर्टों के आधार पर यह आकलन किया गया कि संबंधित कैदी की रिहाई से कानून-व्यवस्था या सामाजिक शांति पर कोई प्रतिकूल प्रभाव तो नहीं पड़ेगा।

पांचों केंद्रीय जेलों में सबसे अधिक रिहाई केंद्रीय जेल बिलासपुर से होगी। यहां से 48 उम्रकैदियों को रिहा किया जाएगा। इसके बाद केंद्रीय जेल रायपुर से 20, केंद्रीय जेल दुर्ग से 16, केंद्रीय जेल जगदलपुर से 9 और केंद्रीय जेल अंबिकापुर से 8 कैदियों को रिहाई मिलेगी।

जेल विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, समयपूर्व रिहाई के लिए केवल सजा की अवधि पूरी होना ही पर्याप्त नहीं होता। कैदी का जेल में अनुशासन, अन्य बंदियों और जेल स्टाफ के प्रति व्यवहार, सुधार की प्रवृत्ति तथा भविष्य में अपराध दोहराने की संभावना जैसे कई पहलुओं का मूल्यांकन किया जाता है। इसके अलावा संबंधित जिले के कलेक्टर और एसपी से भी रिपोर्ट ली जाती है।

स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय अवसरों पर अच्छे आचरण वाले पात्र बंदियों को समयपूर्व रिहाई देने की परंपरा रही है। इसका उद्देश्य उन कैदियों को समाज की मुख्यधारा में लौटने का अवसर देना है, जिन्होंने जेल में रहते हुए सुधार की दिशा में सकारात्मक व्यवहार दिखाया है।

रिहाई से पहले पूरी होगी औपचारिक प्रक्रिया

14 अगस्त को रिहाई से पहले सभी जरूरी प्रशासनिक और कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जाएंगी। इसके बाद चयनित कैदियों को जेल से रिहा किया जाएगा। रिहाई के बाद संबंधित जिला प्रशासन भी आवश्यक निगरानी और पुनर्वास संबंधी प्रक्रिया पर काम करेगा।

समय-सीमा बैठक में रायपुर कलेक्टर सख्त : स्वामित्व योजना और बकेटिंग पर जोर

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने मंगलवार को रेडक्रॉस सभाकक्ष में समय-सीमा बैठक लेकर अलग-अलग विभागों के कामकाज की समीक्षा की। उन्होंने शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं, जन शिकायतों और लंबित प्रकरणों के समय पर निराकरण पर जोर देते हुए अधिकारियों को तय समय-सीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने पीजी पोर्टल, कलेक्टर कॉल सेंटर, मुख्यमंत्री जनदर्शन और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में लंबित मामलों की समीक्षा की। प्रोजेक्ट समन्वय के कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों को लंबित मामलों का जल्द निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश

आयुष्मान कार्ड निर्माण और पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत खाता सुधार की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने पात्र हितग्राहियों को जल्द लाभ दिलाने के लिए विशेष अभियान चलाने को कहा। साथ ही प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना का कार्य सभी गांवों में समय पर पूरा करने और ड्रोन सर्वे से जुड़े लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने किसानों की बकेटिंग का कार्य जल्द पूरा करने और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की शिकायतों का प्राथमिकता से समाधान करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना प्रशासन की जिम्मेदारी है। बैठक में नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा, एडीएम उमाशंकर बंदे, अपर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह राठौर सहित सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

विधायक अनुज शर्मा ने विभागीय समीक्षा बैठक ली; जनदर्शन में सुनी जन-समस्याएं, पात्र हितग्राहियों को बांटे मकानों के पट्टे

धरसींवा। विधानसभा क्षेत्र धरसीवा में क्षेत्रीय विकास की गति को बढ़ाने और प्रशासनिक व्यवस्था को चुस्त- दुरुस्त करने के उद्देश्य से धरसींवा विधायक अनुज शर्मा ने आज जनपद पंचायत के सभा कक्ष में विभिन्न विभागों के उच्च अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक ली। बैठक में विधायक का बेहद संवेदनशील और सख्त अंदाज नजर आया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना ही प्रशासन की असली सफलता है। बैठक के दौरान विधायक ने विभिन्न विभागों में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति और कार्यालयों में लंबित आवेदनों के वर्तमान स्टेटस की विस्तृत रिपोर्ट मांगी।

उन्होंने पूछा कि कौन से कार्य समय सीमा के भीतर किए गए हैं और कौन से लंबित है। जनता से प्राप्त आवेदनों और शिकायतों पर अब तक क्या कार्रवाई हुई, इसका पूरा विवरण मांगा गया है। उन्होंने निर्देश दिया कि फाइलों को अनावश्यक रूप से न रोका जाए तथा यथासमय प्राप्त आवेदनों पर उचित कार्यवाही करना सुनिश्चित करे।

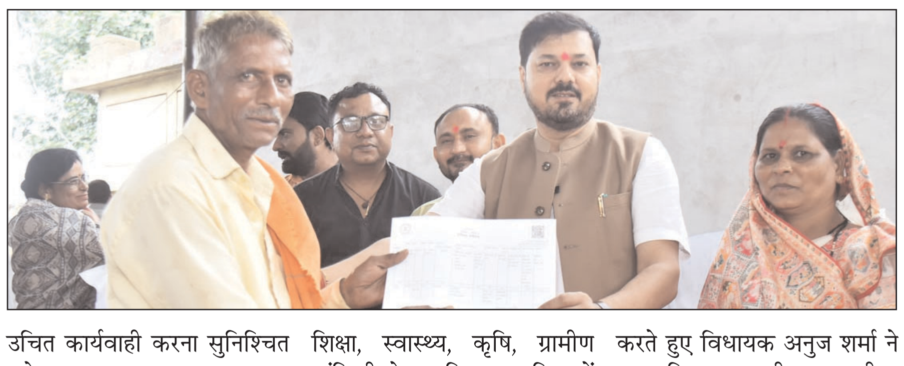

शर्मा ने लोक निर्माण विभाग , विद्युत विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, जनपद पंचायत, स्कूल शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा सहित अन्य विभागों के अधिकारियों से जारी परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी मांगी। मीडिया से चर्चा करते हुए विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि आज की यह समीक्षा बैठक केवल फाइलों के लेन-देन के लिए नहीं है, बल्कि यह आत्म-मंथन के लिए है कि हम जनता की उम्मीदों पर कितना खरा उतर रहे हैं। लोकतंत्र में जनता ही सर्वोपरि है और हम सभी उनकी सेवा के लिए प्रतिबद्ध है। सभी विभागों के अधिकारियों से यहीं कहा की मेरे पास जनता की शिकायतें नहीं आनी चाहिए कि छोटे-छोटे कार्यों और आवेदनों के लिए उन्हें दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। याद रखें, टेबल पर पड़ी हर फाइल के पीछे एक गरीब जनता की उम्मीद और उसकी समस्या जुड़ी होती है। मुझे हर विभाग से 'एक्शन टेकन रिपोर्ट' चाहिए।

Vastu Guruji
BEST PLACE FOR VASTU REMEDY

BUY NOW >
CALL 9770888888

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज का दिन धैर्य और समझदारी से आगे बढ़ने का संकेत दे रहा है। किसी भी महत्वपूर्ण निर्णय में जल्दबाजी करने से बचें, क्योंकि आपके सामने एक से अधिक विकल्प आ सकते हैं। हर अवसर का शांत मन से मूल्यांकन करें और अनुभवी लोगों की सलाह लेने में संकोच न करें। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जिन्हें आप अपनी सूझबूझ से सफलतापूर्वक निभाएंगे।

वृषभ। आज भाग्य आपके पक्ष में रहेगा और लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होने की संभावना है। धर्म-कर्म और आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी, जिससे मानसिक शांति प्राप्त होगी। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा और आपकी मेहनत की सराहना होगी। व्यापार से जुड़े लोगों को नए अवसर मिल सकते हैं, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मिथुन। आज का दिन आत्मचिंतन और आध्यात्मिक साधना के लिए बेहद अनुकूल रहेगा। मन में नए विचार आएंगे और आप जीवन के महत्वपूर्ण विषयों पर गंभीरता से सोचेंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी योजनाएं धीरे-धीरे सफलता की ओर बढ़ेंगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखें और अनावश्यक खर्चों से बचें। परिवार के साथ समय बिताने से मानसिक सुकून मिलेगा।

कर्क। आज जीवनसाथी और साझेदारों के साथ संबंध पहले से अधिक मधुर रहेंगे। आपसी विश्वास बढ़ेगा और किसी महत्वपूर्ण विषय पर सकारात्मक निर्णय लिया जा सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी तथा आत्मबल में वृद्धि होगी। व्यापार करने वालों को नए अवसर मिल सकते हैं और आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा तथा घर का वातावरण सुखद रहेगा।

सिंह। आज आपके आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिभा की सराहना होगी। विरोधी या प्रतिस्पर्धी आपके सामने टिक नहीं पाएंगे और लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का समाधान मिलेगा। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलने के योग हैं। आर्थिक मामलों में स्थिति मजबूत रहेगी और आय के नए स्रोत बनने की संभावना है। परिवार में खुशियों का वातावरण रहेगा तथा जीवनसाथी के साथ समय आनंददायक बीतेगा।

कन्या। आज आपकी बुद्धि और विवेक आपको सही दिशा में आगे बढ़ने में मदद करेंगे। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण निर्णय लेने का अवसर मिलेगा और आपकी योजनाएं सफल होंगी। हालांकि काम का दबाव अधिक रह सकता है, इसलिए समय-समय पर विश्राम करना भी जरूरी है। आर्थिक मामलों में लाभ मिलने के संकेत हैं, लेकिन निवेश सोच-समझकर करें। परिवार का सहयोग मिलेगा और जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर बने रहेंगे।

तुला। आज किसी भी प्रकार के वाद-विवाद या विवादित विषय से दूर रहना आपके लिए बेहतर रहेगा। कार्यक्षेत्र में संयम और धैर्य से काम लेने पर सफलता मिलेगी। घर-परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा और प्रियजनों के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें और अनावश्यक खर्चों से बचें।

वृश्चिक। आज साहस और उत्साह में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और लगन की सराहना होगी तथा नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। आर्थिक मामलों में संतुलित सोच अपनाएं और जल्दबाजी में कोई बड़ा निवेश न करें। व्यापार में लाभ के संकेत हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा और जीवनसाथी के साथ संबंध मजबूत होंगे। मित्रों के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

धनु। आज परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा, जिससे रिश्तों में और अधिक मधुरता आएगी। नए विचार और योजनाएं आपको प्रेरित करेंगी तथा भविष्य के लिए सकारात्मक दिशा देंगी। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत का उचित परिणाम मिलेगा और वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्य से संतुष्ट रहेंगे। व्यापार में नए अवसर मिलने के योग हैं। आर्थिक स्थिति धीरे-धीरे मजबूत होगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन खान-पान और दिनचर्या का विशेष ध्यान रखें।

मकर। आज चंद्रमा आपकी ही राशि में रहने से ऊर्जा, आत्मविश्वास और उत्साह भरपूर रहेगा। लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होने की संभावना है और धैर्य का अच्छा फल मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना होगी तथा नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और आय के नए स्रोत बन सकते हैं। परिवार में सुखद वातावरण रहेगा तथा जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, लेकिन अत्यधिक काम के बीच पर्याप्त आराम करना न भूलें।

कुंभ। आज कार्यक्षेत्र में आपकी मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी और वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्यों की सराहना करेंगे। भविष्य को लेकर आपकी सोच अधिक स्पष्ट होगी, जिससे नई योजनाओं पर आत्मविश्वास के साथ काम कर पाएंगे। व्यापार में लाभ के अवसर मिल सकते हैं और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार का सहयोग मिलेगा तथा जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर बने रहेंगे। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन मानसिक संतुलन बनाए रखने के लिए योग और ध्यान लाभदायक रहेगा।

मीन। आज आपकी मनोकामनाएं पूरी होने के संकेत हैं और लंबे समय से रुके हुए कार्यों में सफलता मिल सकती है। मित्रों का सहयोग मिलेगा तथा सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी और नई जिम्मेदारियां मिलने की संभावना है। व्यापार में लाभ के नए अवसर प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और आय के स्रोत बढ़ सकते हैं। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी तथा जीवनसाथी के साथ मधुर संबंधों का आनंद मिलेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, लेकिन नियमित व्यायाम और संतुलित आहार अपनाना आवश्यक है। विद्यार्थियों के लिए दिन अत्यंत शुभ रहेगा। आत्मविश्वास, धैर्य और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ेंगे तो सफलता निश्चित रूप से आपके साथ रहेगी।

सावन की शुरुआत, बाबा बैद्यनाथधाम में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

तीन किमी लंबी कतार; बोल बम के नारे से गूंजा देवघर, अरघा सिस्टम से जलाभिषेक

देवघर। विश्व प्रसिद्ध राजकीय श्रावणी मेला 2026 के पहले दिन बाबा बैद्यनाथ धाम में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। सावन की शुरुआत के साथ ही बुधवार देर रात से कांवरियों की लंबी कतार लगनी शुरू हो गई थी, जो गुरुवार सुबह तक करीब तीन किलोमीटर से अधिक लंबी हो गई।

श्रद्धालु क्यू कॉम्प्लेक्स, फुटओवर ब्रिज और निर्धारित मार्गों से होते हुए मंदिर पहुंचकर अरघा के माध्यम से बाबा बैद्यनाथ को जल अर्पित कर रहे हैं।

सुबह तीन बजे सरदार पांडा गुलाबानंद झा द्वारा सरकारी पूजा संपन्न होने के बाद आम श्रद्धालुओं के लिए जलार्पण शुरू हुआ, जिसके बाद से लगातार भक्तों की भीड़ उमड़ रही है।

मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार के साथ-साथ बाह्य अरघा की भी व्यवस्था की गई है, जिससे बुजुर्ग, दिव्यांग और असहाय श्रद्धालु भी आसानी से बाबा को जल अर्पित कर सकें। प्रशासन के अनुसार पहली सोमवारी तक श्रद्धालुओं की संख्या में और अधिक वृद्धि होने की संभावना है।

श्रावण मास की गुरुवार से शुरुआत हो गई है। यह 28 अगस्त तक चलेगा। यह महीना भगवान शिव की आराधना के लिए सबसे पवित्र माना जाता है। इस बार सावन में कुल चार सोमवार पड़ेंगे। पहला सोमवार 3 अगस्त को आएगा। इसी दिन सावन का पहला व्रत रखा जाएगा। सावन के पहले सोमवार का विशेष महत्व होता है।

सावन का महीना भगवान शिव की आराधना के लिए सबसे पवित्र माना जाता है।

जलार्पण के लिए कांवरियों की कतार तड़के सुबह से लगी हुई है। पूरा देवघर बोल बम के नारों की गूंज से गुंजायमान है। सभी कांवरिया कतारबद्ध हो कर बाबा का जयघोष करते हुए निरंतर आगे बढ़ रहे हैं और जलाभिषेक कर रहे हैं।

देवघर में जिस तरह से देर शाम से ही कांवरियों की भीड़ पहुंची है, ऐसे में मंदिर प्रबंधन और जिला प्रशासन को उम्मीद है कि आज पहले दिन की लाखों श्रद्धालु बाबा का जलार्पण करेंगे। इधर, बाबा पर जलाभिषेक के लिए कांवरियों की भीड़ लाइन में लगने के लिए देर शाम से ही रूट लाइन में उमड़ पड़ी।

बुधवार से देवघर में राजकीय श्रावणी मेले की शुरुआत हो चुकी है। गुरुवार से पूरे महीने तक स्पर्श पूजा बंद कर दी गई है। भक्तों को गर्भ गृह में प्रवेश नहीं मिलेगा। श्रद्धालु अरघा से जलार्पण कर बाबा का दर्शन करते हुए बाहर निकल जाएंगे।

श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन ने इस वर्ष व्यापक इंतजाम किए हैं। दुम्मा स्थित बिहार-झारखंड सीमा पर हेड काउंटिंग मशीन लगाई गई है, जबकि बस, ट्रेन और अन्य माध्यमों से आने वाले श्रद्धालुओं की गणना भी आधुनिक तकनीक से की जा रही है।

पूरे मेला क्षेत्र में एआई आधारित कैमरे लगाए गए हैं, जो भीड़भाड़ वाले स्थानों की तुरंत पहचान कर कंट्रोल रूम को सूचना भेजते हैं। इसके आधार पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचकर भीड़ नियंत्रण का कार्य कर रहे हैं।

झारखंड में दो जुलाई तक बारिश की संभावनाः अब तक राज्य में 25% कम हुई बारिश, दो अगस्त को 7 जिलों में हो सकती है भारी वर्षा

रांची। झारखंड के विभिन्न जिलों में बारिश होने का सिलसिला जारी है। हालांकि बुधवार को दोपहर बाद मौसम साफ हो गया।

इसकी वजह से लोगों को थोड़ी उमस भरी गर्मी का भी सामना करना पड़ा। वहीं, राज्य में अब तक सामान्य से 25% कम बारिश रिकॉर्ड की गई है।

गुरुवार को सामान्यत आसमान में बादल छाए रहेंगे और राज्य के कुछ स्थानों पर हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश या मेघ गर्जन होने की संभावना है। वहीं, आकाशीय बिजली गिरने और 40-50 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने की संभावना है।

2 अगस्त तक रोजाना बारिश की संभावना

मौसम विभाग के अनुसार, 2 अगस्त तक मौसम का यही रुख बने रहने का अनुमान है। हालांकि इस दिन देवघर, दुमका, गिरिडीह, गोड्?डा, जामताड़ा, पाकुड़ और साहेबगंज में भारी बारिश होने की संभावना है।

इधर, पिछले 24 घंटे में राज्य में लगभग सभी स्थानों पर गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश दर्ज की गई। जबकि एक जगह भारी बारिश भी दर्ज की गई। सर्वाधिक बारिश 72.0 एमएम बंदगांव (पश्चिम सिंहभूम) में दर्ज की गई।

वहीं, सबसे अधिक अधिकतम तापमान 32.7 डिग्री सेल्सियस डाल्टेनगंज में जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 20.6 डिग्री सेल्सियस लातेहार में रिकॉर्ड किया गया।

अगले चार दिनों में बढ़ेगा का तापमान

मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में अगले 24 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। इसके बाद अगले चार दिनों में दो-चार डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने की संभावना है।

आदिवासी चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा देगी सरकार : डॉ. इरफान

रांची। झारखंड सरकार राज्य की पारंपरिक आदिवासी चिकित्सा पद्धति (एथनो मेडिसिन/होड़ोपैथी) के संरक्षण, वैज्ञानिक अध्ययन और इसके जनहित में उपयोग की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करने जा रही है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एथनो मेडिसिन (एनआईईएम) और आदिवासी तरंग ट्रस्ट के प्रतिनिधिमंडल ने स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी से मुलाकात कर इस संबंध में एक प्रस्ताव सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल ने आदिवासी चिकित्सा पद्धति के ऐतिहासिक महत्व और जनस्वास्थ्य में इसकी उपयोगिता पर प्रस्तुति दी। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि झारखंड की धरती प्राकृतिक उपचार और आदिवासी ज्ञान की समृद्ध विरासत से परिपूर्ण है। इस अमूल्य धरोहर का वैज्ञानिक परीक्षण और दस्तावेजीकरण समय की बड़ी मांग है। उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि विशेषज्ञों की जांच और वैज्ञानिक शोध में यह पद्धति प्रभावी पाई जाती है, तो राज्य सरकार इसे बढ़ावा देने के लिए हरसंभव प्रयास करेगी।

25 साल, 175 कांड... मिसिर बेसरा के इशारे पर रची गईं बड़े हमले की साजिशें

रांची। ऑपरेशन 'दौरा पहाड़' में 2.20 करोड़ के इनामी माओवादी पोलित ब्यूरो सदस्य मिसिर बेसरा की गिरफ्तारी के बाद झारखंड-बिहार में उसके 25 साल के आपराधिक नेटवर्क की परतें खुल रही हैं। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, वर्ष 2001 से 2026 तक मिसिर के खिलाफ 175 मामले दर्ज हैं। उसके साथ गिरफ्तार 15 लाख के इनामी मेहनत के खिलाफ 137 और एसीएम गौरव के खिलाफ 8 मामले दर्ज हैं। बिहार के बहुचर्चित जहानाबाद जेल ब्रेक की रणनीति बनाने में मिसिर और उसके सहयोगियों की भूमिका थी। नवंबर 2005 में गिरिडीह के होमगार्ड शस्त्रागार से माओवादियों ने 186 राइफलें लूट ली थीं। इससे पहले सितंबर 2001 में हजारीबाग के चर्चू क्षेत्र में सीआरपीएफ जवानों पर हमले में 12 जवान शहीद हुए थे। अक्टूबर 2001 में धनबाद के तोपचांची में जैप जवानों पर हमला कर 13 पुलिसकर्मियों की जान ली गई थी। दोनों घटनाओं में बड़ी संख्या में हथियार लूटे गए थे।

4 जनवरी 2022 को पश्चिमी सिंहभूम के गोइलकेरा के झिलरुवां में पूर्व विधायक गुरुचरण नायक पर हमले में उनके दो अंगरक्षकों की मौत हुई थी। हमलावर दो इंसास और एक एके-47 लूट ले गए थे।

जेपीएससीः पूर्व अध्यक्ष से 8 घंटे पूछताछ, पासपोर्ट जब्त, एजेंसी ने आज फिर बुलाया

रांची। झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में धांधली के मामले में सीआईडी ने मंगलवार को झारखंड लोकसेवा आयोग (जेपीएससी) के पूर्व चेयरमैन एल ख्यांगते से आठ घंटे तक पूछताछ की। सीआईडी का मुख्य फोकस ब्लैकलिस्टेड एजेंसी टीएसआर डेटा प्रोसेसिंग प्रा. लि. को परीक्षा संचालन का काम सौंपने पर रहा।

उनकी अमेरिकी यात्रा पर भी सवाल पूछे गए। वे देश छोड़कर बाहर न जा सकें, इसलिए उनका पासपोर्ट जब्त कर लिया। सीआईडी उनके जवाबों से संतुष्ट नहीं हुई। इसलिए बुधवार को उन्हें दोबारा पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

ख्यांगते मंगलवार सुबह 11 बजे कैब से डोरंडा स्थित सीआईडी मुख्यालय (राजा-रानी कोठी) पहुंचे। सीआईडी ने उनसे पूछताछ के लिए पहले से ही सवालों की लंबी सूची तैयार कर रखी थी। उनके पहुंचते ही सवालों की झड़ी लगा दी। जवाब देने में ख्यांगतेकई बार असहज नजर आए। सीआईडी ने ख्यांगते से पूछा कि ब्लैकलिस्टेड कंपनी को काम कैसे दिया? इस पर ख्यांगते ने कहा कि उन्हें कंपनी के ब्लैकलिस्टेड होने की जानकारी नहीं थी। एजेंसी के चयन में कई वैधानिक प्रक्रिया होती हैं, जिनका पालन करने के बाद ही फैसला लिया गया। अगर कंपनी पहले से ब्लैकलिस्टेड थी और गड़बड़ी की है तो इसकी गहनता से जांच कराई जाए। सीआईडी ने उनसे टीडीपीएल के भौतिक व कानूनी सत्यापन पर भी सवाल किया। ख्यांगते ने कहा कि बिना सत्यापन काम नहीं दिया जाता। नियमों का पालन हुआ था। सीआईडी ने ख्यांगते के अमेरिकी दौरे के संबंध में भी सवाल किया। पूछा कि वे अमेरिका क्यों गए थे। इन यात्राओं पर कितना खर्च आया। हालांकि ख्यांगते ने सीआईडी के अधिकतर सवालों के जवाब दिए। कुछ सवालों के जवाब के लिए सीआईडी ने जेपीएससी की तत्कालीन उप परीक्षा नियंत्रक श्वेता गुप्ता के सामने बैठाकर भी पूछताछ की।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

5		6						
4	7		1	3	9		5	
						4	8	
2	5	9	3			8	6	7
		4		7	5		3	1
	3	1		2	6		4	
		3	7			5	9	
		5	6	9				8
	2							6

पिछले अंक का उत्तर

9	5	7	6	1	3	2	8	4
4	8	3	2	5	7	1	9	6
6	1	2	8	4	9	5	3	7
1	7	8	3	6	4	9	5	2
5	2	4	9	7	1	3	6	8
3	6	9	5	2	8	7	4	1
8	4	5	7	9	2	6	1	3
2	9	1	4	3	6	8	7	5
7	3	6	1	8	5	4	2	9

चौखट पर हमारी
तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
ख्यालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

तेलंगाना में भी झारखंड की संस्कृति को जीवित रखना सराहनीय : सुदेश

रांची। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में झारखंडी एकता समाज का स्थापना दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में झारखंड के पूर्व उपमुख्यमंत्री व आजसू पार्टी के प्रमुख सुदेश महतो ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। हैदराबाद एयरपोर्ट पहुंचने पर समाज के सदस्यों ने उनका स्वागत किया। समारोह में सुदेश महतो ने कहा कि गृह राज्य से दूर रहकर भी झारखंड की संस्कृति, भाषा और सामाजिक समरसता को जीवित रखना सराहनीय है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि तेलंगाना में रह रहे झारखंड के सभी परिवार उनके अपने परिवार की तरह हैं और उनके सुख-दुख तथा प्रगति के लिए, हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने उपस्थित प्रवासियों से अपील की कि वे अपनी पेशेवर योग्यताओं के साथ-साथ झारखंड की कला, भाषा और परंपराओं के संवाहक बनें। इससे देश भर में राज्य की विशिष्ट पहचान मजबूत होगी। समाज के अध्यक्ष विनोद यादव और महासचिव किशोर कुमार ने भी संबोधित किया।

भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स में तीसरा गोल्ड : पैरा 100m रेस में गावित पहले, बासिल दूसरे नंबर पर रहे; लॉन्ग जंप में मुरली को सिल्वर

दिलीप महादु गावित ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में छठे दिन भारत को तीसरा गोल्ड मेडल दिलाया। उन्होंने पुरुषों की पैरा ज्ञ47 कैटेगरी में100 मीटर रेस में 10.71 सेकेंड का समय लेकर पहला स्थान हासिल किया। भारत के ही मोहम्मद बासिल ने 10.83 सेकेंड के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि इंग्लैंड के केविन सैंटोस ने 10.85 सेकेंड के साथ ब्रॉन्ज अपने नाम किया।

T47 कैटेगरी में उन ट्रैक एथलीट्स को शामिल किया जाता है, जिनके एक या दोनों हाथों में शारीरिक अक्षमता होती है। इसमें हाथ के किसी हिस्से की कमी या हाथ की कार्यक्षमता प्रभावित होने वाले खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा करते हैं।

गावित से पहले भारत के लिए महिलाओं के पैरा शॉटपुट स्न57 इवेंट में शर्मिला धनकड़ और रविवार को वेटलिफ्टिंग के 48 किलोग्राम इवेंट में मीराबाई चानू गोल्ड मेडल जीत चुकी हैं।

इससे पहले छठे दिन लॉन्ग जंपर मुरली श्रीशंकर ने 8.09 मीटर की छलांग लगाकर सिल्वर मेडल जीता। वह पुरुषों की लॉन्ग जंप में लगातार दो कॉमनवेल्थ गेम्स में सिल्वर जीतने वाले पहले भारतीय बने। इस इवेंट का गोल्ड जमैका के तजय गेल ने 8.15 मीटर की जंप के साथ जीता।

भारत फिर आठवें स्थान पर पहुंचा

छठे दिन के मुकाबले समाप्त होने के बाद भारत के खाते में 3 गोल्ड, 9 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज समेत कुल 15 मेडल हो गए हैं। इसके साथ ही भारतीय टीम मेडल टैली में आठवें स्थान पर पहुंच गई। भारत पांचवें दिन नौवें स्थान पर खिसक गया था। वहीं, ऑस्ट्रेलिया 47 गोल्ड समेत कुल 103 मेडल के साथ टॉप पर बना हुआ है।

वहीं, बुधवार को छह मुक्केबाजों के सेमीफाइनल में पहुंचने से बॉक्सिंग टीम के लिए इस खेल में 10 मेडल पक्के हो गए हैं।

दिलीप के पेड़ से गिरने के बाद हाथ कांटना पड़ा था

भारत के पैरा एथलीट्स दिलीप महादु गावित ने टी-47 के 100 मीटर रेस में ने पुरुषों की 100 मीटर टी47 फाइनल स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड और सिल्वर मेडल अपने नाम किए। दिलीप महादु गावित ने 10.71 सेकेंड का समय निकालकर गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने इस प्रदर्शन के साथ गेम्स रिकॉर्ड बनाया और सीजन का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी किया। भारत के ही मोहम्मद बासिल मोर्सिंगनाकथ ने 10.83 सेकेंड के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया।

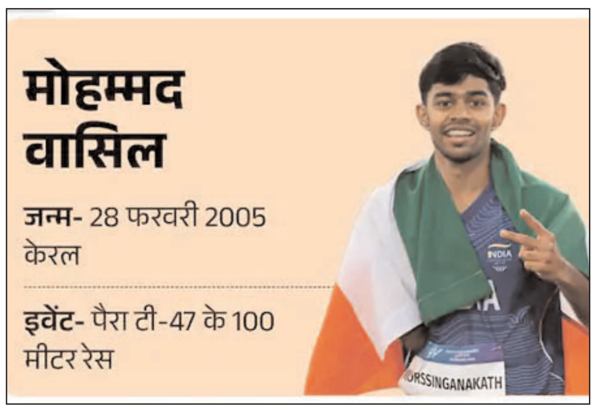

दिलीप गावित की सफलता के पीछे संघर्ष की लंबी कहानी है। महाराष्ट्र के नासिक के पास तोरण डोंगरी गांव के रहने वाले दिलीप किसान परिवार से हैं। बचपन में वह माता-पिता के साथ खेतों में काम करते थे। पांच-छह साल की उम्र में पेड़ से गिरने के कारण उनके दाहिने हाथ में गंभीर चोट लगी। समय पर इलाज नहीं मिलने से हाथ में गैंगरीन हो गया और कोहनी के नीचे से हाथ काटना पड़ा।

हालांकि, इस हादसे ने उन्हें हार मानने नहीं दी। उन्होंने दौड़ को अपना लक्ष्य बनाया और गांव की कच्ची सड़कों पर अभ्यास शुरू किया। बाद में कोच वैजनाथ काले ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और उन्हें पेशेवर पैरा एथलेटिक्स में आगे बढ़ने का मौका दिया।

28 फरवरी 2005 को केरल में जन्मे मोहम्मद बासिल ने करीब 8 साल तक सामान्य एथलीट के रूप में खेला। 2025 तक उन्हें पैरा एथलेटिक्स के बारे में जानकारी नहीं थी। किसी की सलाह पर उन्होंने पैरा स्पोर्ट्स में कदम रखा और यहीं से उनके करियर ने नई दिशा पकड़ी। शुरुआत में बासिल स्कूल स्तर पर ही ट्रेनिंग करते थे। पैरा स्पोर्ट्स से जुड़ने के बाद उन्हें स्ड्ढ में बेहतर कोचिंग और सुविधाएं मिलीं। वह ज्ञ47 कैटेगरी की 100 मीटर स्पर्धा में हिस्सा लेते हैं।

मई 2026 में बेंगलुरु में हुई 8वीं इंडियन ओपन इंटरनेशनल पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बासिल ने 100 मीटर ज्ञ47 रेस 10.63 सेकंड में पूरी कर गोल्ड जीता। इसी प्रदर्शन के दम पर उनका चयन ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल 2026 के लिए भारतीय टीम में हुआ।

बिजनेस न्यूज

शेयर बाजार में सपाट कारोबार, सेंसेक्स 77,650 और निफ्टी 24,200 पर; ऑटो व आईटी शेयरों में खरीदारी

मुंबई। गुरुवार, 30 जुलाई को घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत सपाट रही। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 77,650 और एनएसई निफ्टी 24,200 के स्तर पर कारोबार करते नजर आए। बाजार में ऑटो और आईटी सेक्टर के शेयरों में अच्छी खरीदारी देखने को मिली, जबकि बैंकिंग और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। निवेशक वैश्विक संकेतों और कंपनियों के तिमाही नतीजों पर नजर बनाए हुए हैं।

प्राथमिक बाजार में भी आज से हलचल बढ़ गई है। एमवी इलेक्ट्रोसिस्टम्स और जुनिपर ग्रीन एनर्जी के आईपीओ निवेशकों के लिए खुल गए हैं। दोनों कंपनियों के आईपीओ में 3 अगस्त तक निवेश किया जा सकेगा। एमवी इलेक्ट्रोसिस्टम्स आईपीओ के जरिए 290 करोड़ रुपए, जबकि जुनिपर ग्रीन एनर्जी 1,800 करोड़ रुपए जुटाने की योजना बना रही है।

वैश्विक बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। जापान का निक्केई और दक्षिण कोरिया का कोस्पी बढ़त के साथ कारोबार कर रहे हैं, जबकि हांगकांग का हैंगसेंग मामूली गिरावट में है। दूसरी ओर, अमेरिकी बाजार में पिछले कारोबारी सत्र के दौरान बड़ी गिरावट दर्ज की गई। डाउ जोन्स 1,153 अंक, नैस्डैक 434 अंक और एसएंडपी 500 113 अंक टूटकर बंद हुए, जिससे वैश्विक निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई।

सोना 177 बढ़कर 1.42 लाख पर पहुंचाः इस साल 9 हजार महंगा हो चुका, चांदी की कीमत 789 कम होकर 2.17 लाख किलो हुई

सोने की कीमत में आज यानी 30 जुलाई को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 177 रुपए बढ़कर 1.42 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं एक किलो चांदी की कीमत 789 रुपए कम होकर 2.17 लाख रुपए आ गई।

इस साल सोने में अब तक तेजी रही

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 9 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10द्द सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.42 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

वहीं, चांदी की कीमत में 13 हजार रुपए की गिरावट है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.17 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया के मुताबिक सोने-चांदी के दाम अपने हाई से काफी नीचे आ चुके हैं। ऐसे में निवेशक इसमें निवेश कर सकते हैं, हालांकि इनमें एकमुश्त निवेश करने से बचना चाहिए। अजय केडिया के अनुसार साल के आखिर तक सोना एक बार फिर 1.60 लाख और चांदी 2.80 लाख रुपए तक जा सकती है।

कामधेनू

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-

1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।

2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।

3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते हैं, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।

4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।

ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।

Vastu Guruji
www.vastuguruji.com
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

वैभव सूर्यवंशी दलीप ट्रॉफी मे ईस्ट जोन के उप-कप्तान बनेः ईशान किशन को कप्तानी, मोहम्मद शमी और मुकेश कुमार भी टीम में

नई दिल्ली। दलीप ट्रॉफी 2026-27 के लिए ईस्ट जोन की 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया गया है। ईशान किशन को टीम की कप्तानी सौंपी गई है। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को उप-कप्तान बनाया गया है।

टीम में अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और मुकेश कुमार भी शामिल हैं। वहीं, चोट के कारण रियान पराग और आकाश दीप का चयन नहीं हुआ। दलीप ट्रॉफी 23 अगस्त से खेली जाएगी।

वैभव सूर्यवंशी ने इसी महीने इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 इंटरनेशनल में डेब्यू किया था। इसके बाद जिम्बाब्वे दौरे पर तीसरे टी-20 में 49 गेंदों पर 81 रन की मैच जिताऊ पारी खेली। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच और पूरी सीरीज में 181 रन बनाने के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया।

इससे पहले इसी साल जिम्बाब्वे में खेले गए अंडर-19 वर्ल्ड कप के फाइनल में उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 175 रन बनाकर भारत को चैंपियन बनाया था।

कम उम्र में ही वैभव ने बड़े मुकाबलों में खुद को साबित किया है। **IPL** 2026 के एलिमिनेटर में उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 97 रन और क्वालिफायर-2 में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 96 रन की अहम पारियां खेलीं।

पिछले महीने श्रीलंका में इंडिया-ए की ओर से ट्राई सीरीज के फाइनल में भी उन्होंने 94 रन बनाए थे।

वैभव ने अब तक आठ फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं। इसमें 17.25 की औसत से 207 रन बनाए हैं। उनका बेस्ट स्कोर 93 रन है। उन्होंने अपना पिछला फर्स्ट क्लास मुकाबला पिछले साल बिहार की ओर से मेघालय के खिलाफ रणजी प्लेट लीग में खेला था।

टीम में वैभव के साथ बंगाल के अनुभवी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन पारी की शुरुआत कर सकते हैं। 113 फर्स्ट क्लास मैच खेल चुके ईश्वरन टीम के सबसे अनुभवी बल्लेबाज हैं और घरेलू क्रिकेट में लगातार रन बना रहे हैं। झारखंड के शिखर मोहन को रिजर्व ओपनर के तौर पर शामिल किया गया है।

ईस्ट जोन की टीम में ईशान किशन विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी निभाएंगे। उनके अलावा कुमार कुशाग्र दूसरे विकेटकीपर हैं। झारखंड के विराट सिंह, अनुकूल रॉय और शिखर मोहन को भी टीम में जगह मिली है। अनुकूल रॉय हाल ही में श्रीलंका में ट्राई सीरीज जीतने वाली इंडिया-ए टीम का हिस्सा रहे थे।

ISSF वर्ल्ड कप में भारत को चौथा मेडलः सोनम मस्कर और हिमांशु ढिल्लों ने 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम इवेंट में ब्रॉन्ज जीता

चीन के हांगझोउ में चल रहे इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन (ड्डस्स्न्न) वर्ल्ड कप में मंगलवार को सोनम मस्कर और हिमांशु ढिल्लों की जोड़ी ने 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता। दोनों ने मेडल राउंड में 220.6-220.6 का स्कोर करते हुए कुल 441.2 अंक हासिल किए और तीसरे स्थान पर रहे। इसके साथ ही टूर्नामेंट में भारत के मेडल की संख्या चार हो गई। इससे पहले ईशा सिंह ने गोल्ड, संयम विज ने सिल्वर और मनु भाकर ने ब्रॉन्ज मेडल जीता सोमवार (27 जुलाई) को विमेंस 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में भारत की ईशा सिंह ने गोल्ड मेडल जीता, जबकि मनु भाकर ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। ईशा सिंह के गोल्ड और मनु भाकर के ब्रॉन्ज के साथ मौजूदा टूर्नामेंट में भारत ने कुल तीन मेडल अपने नाम कर लिए हैं। इससे पहले भारतीय निशानेबाज सैन्यम ने विमेंस की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में सिल्वर जीतकर भारत का खाता खोला था।

चीन ने जीते गोल्ड और सिल्वर

इस इवेंट में मेजबान चीन का दबदबा रहा। जिफेई वांग और लिहाओ शेंग की जोड़ी ने 505 अंक के साथ गोल्ड मेडल जीता। वहीं, चीन की दूसरी टीम ने 504.6 अंक बनाकर सिल्वर अपने नाम किया।

पहली बार IPL की बिजनेस वैल्यू 20 अरब डॉलर पारःपिछले साल से 11.4% ज्यादा, टीमों में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु सबसे कीमती

पहली बार इंडियन प्रीमियर लीग की बिजनेस वैल्यू 20.6 अरब डॉलर यानी करीब 2 लाख करोड़ रुपए हो गई है। यह जानकारी अमेरिकी इन्वेस्टमेंट बैंक हुलिहान लोकी की बुधवार को जारी 2026 **IPL** ब्रांड वैल्यूएशन स्टडी में सामने आई है। स्टडी के मुताबिक पिछले दो सीजन की चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ब्रांड वैल्यू के मामले में **IPL** की सबसे कीमती टीम है। **RCB** की ब्रांड वैल्यू 312 मिलियन डॉलर यानी करीब 3 हजार करोड़ रुपए बताई गई है। **RCB** पहली **IPL** टीम बनी है जिसकी ब्रांड वैल्यू 300 मिलियन डॉलर के पार गई है।

स्टडी के मुताबिक इस साल **IPL** की बिजनेस वैल्यू 11.4% बढ़ी है। यह लगातार दूसरा साल है जब **IPL** ने 10 या इससे ज्यादा प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की है। स्टडी में कहा गया है- 2008 में शुरू हुई यह लीग अब 10 टीमों के साथ दुनिया की सबसे बड़ी टी-20 प्रतियोगिता बन चुकी है। लीग ने ब्रॉडकास्ट रेवेन्यू, स्पॉन्सरशिप, मर्चेंडाइजिंग और फ्रेंचाइजी इन्वेस्टमेंट के जरिए अपना एक मजबूत कमर्शियल मॉडल तैयार किया है। **IPL** में बेंगलुरु के बाद मुंबई इंडियंस की ब्रांड वैल्यू सबसे ज्यादा है। रिपोर्ट में मुंबई की ब्रांड वैल्यू 264 मिलियन डॉलर बताई गई है। मुंबई ने पिछले साल के मुकाबले 9.1% की ग्रोथ दर्ज की है। तीसरे स्थान पर कोलकाता नाइट राइडर्स है, जिसकी ब्रांड वैल्यू 7.9% बढ़कर 245 मिलियन डॉलर हो गई है। चेन्नई सुपर किंग्स 244 मिलियन डॉलर की ब्रांड वैल्यू के साथ चौथे स्थान पर है, जिसमें साल-दर-साल 3.8 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है।

एशियाई खेल 2026 के लिए भारतीय हॉकी टीम का ऐलानः हरमनप्रीत सिंह संभालेंगे कमान, जापान में 19 सितंबर से शुरू होगा टूर्नामेंट

हॉकी इंडिया ने बुधवार को जापान के आइची-नागोया में होने वाले 20वें एशियन गेम्स के लिए 20 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी।

यह टूर्नामेंट 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक खेला जाएगा। स्टार डिफेंडर और ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह भी स्क्वॉड में शामिल हैं। भारतीय टीम डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में उतरेगी। भारत ने 2023 हांगझोउ एशियन गेम्स में हरमनप्रीत की कप्तानी में गोल्ड मेडल जीता था।

टूर्नामेंट में 12 टीमें हिस्सा लेंगी, जिन्हें छह-छह टीमों के दो पूल में बांटा गया है। भारत को पूल7 में रखा गया है। इस पूल में भारत के साथ मेजबान जापान, साउथ कोरिया, बांग्लादेश, श्रीलंका और इंडोनेशिया हैं। सभी मुकाबले काकामीगाहारा के गिफू प्रीफेक्चरल ग्रीन स्टेडियम में खेले जाएंगे।

टीम चयन पर मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा कि चुनी गई टीम काफी अनुभवी है। उन्होंने कहा कि हम जापान में खेलने की चुनौती के लिए तैयार हैं। इस टूर्नामेंट का विजेता सीधे रु 2028 ओलिंपिक के लिए क्वालीफाई करेगा और यही टीम और देश के रूप में हमारा मुख्य लक्ष्य है।

हरमनप्रीत बोले- जिम्मेदारी समझकर खेलना होगा

कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने टीम के प्रदर्शन पर भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि चाहे युवा खिलाड़ी हों या सीनियर, मुझे सभी पर पूरा भरोसा है कि वे मिले मौकों का सही इस्तेमाल करेंगे। हमारा मुख्य लक्ष्य बिना दबाव लिए खेल का आनंद लेना और अपनी जिम्मेदारियों को समझना है।

सीएम विष्णु देव साय के विजन को रेखांकित करेगी 'मुस्कुराता बस्तर' कार्टून कार्यशाला

बस्तर की संस्कृति, पर्यटन और विकास की सकारात्मक तस्वीर को कार्टून कला के माध्यम से मिलेगी नई अभिव्यक्ति

रायपुर। छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग के सहयोग से देश की एकमात्र मासिक कार्टून पत्रिका कार्टून वॉच द्वारा जगदलपुर में स्कूली विद्यार्थियों के लिए 'मुस्कुराता बस्तर' थीम पर विशेष कार्टून कार्यशाला आयोजित की जाएगी। कार्यशाला में विद्यार्थियों को कार्टून और कैरिकेचर कला का प्रशिक्षण देने के साथ बस्तर की संस्कृति, पर्यटन और लोकजीवन को रचनात्मक रूप से अभिव्यक्त करने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में बस्तर आज विकास, पर्यटन और सांस्कृतिक पहचान के नए आयाम स्थापित कर रहा है। बस्तर अपनी प्राकृतिक सुंदरता, जनजातीय संस्कृति और पर्यटन स्थलों के कारण देश-दुनिया में नई पहचान बना रहा है। चित्रकोट और तीरथगढ़ जलप्रपात, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, बस्तर दशहरा तथा अन्य लोकपर्व बस्तर की समृद्ध विरासत के प्रतीक हैं। कार्टून वॉच के संपादक श्री त्र्यंबक शर्मा ने बताया कि कार्यशाला की थीम 'मुस्कुराता बस्तर' इन्हीं सकारात्मक पहलुओं को कार्टून कला के माध्यम से रचनात्मक अभिव्यक्ति देना है। इस कार्यशाला में दिल्ली के वरिष्ठ कार्टूनिस्ट श्री माधव जोशी तथा पुणे के प्रसिद्ध कैरिकेचर कलाकार श्री शुभम जिंदे लाइव डेमो के माध्यम से ऑन-द-स्पॉट कार्टून और कैरिकेचर बनाने का प्रशिक्षण देंगे। साथ ही विद्यार्थियों को कार्टून कला के सामाजिक, रचनात्मक और रोजगारपरक पक्षों से भी परिचित कराया जाएगा।

कार्यशाला के माध्यम से स्थानीय प्रतिभाओं को मंच मिलेगा और बस्तर की सकारात्मक पहचान को कला के माध्यम से

देशभर तक पहुंचाया जा सके। 'मुस्कुराता बस्तर' अभियान नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, लोक परंपराओं और प्राकृतिक धरोहर से जोड़ने का रचनात्मक प्रयास है।

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर भाजपा एनजीओ प्रकोष्ठ द्वारा 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण

रायपुर। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी एनजीओ प्रकोष्ठ, छत्तीसगढ़ द्वारा सरोना स्थित कार्यालय परिसर में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में भाजपा एनजीओ प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक एवं रायपुर संभाग प्रभारी संदीप अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनके नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण, प्रकृति संवर्धन एवं मातृ सम्मान का संदेश देते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनके संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प लिया।

संदीप अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान केवल वृक्षारोपण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि माँ के प्रति श्रद्धा, सम्मान और प्रकृति संरक्षण का एक जन-आंदोलन है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपनी माँ के नाम एक पौधा लगाकर उसकी नियमित देखभाल करे, तो पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक हरित एवं सुरक्षित भविष्य का निर्माण किया जा सकता है।

भाजपा एनजीओ प्रकोष्ठ ने प्रदेशवासियों से इस अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने तथा अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया।

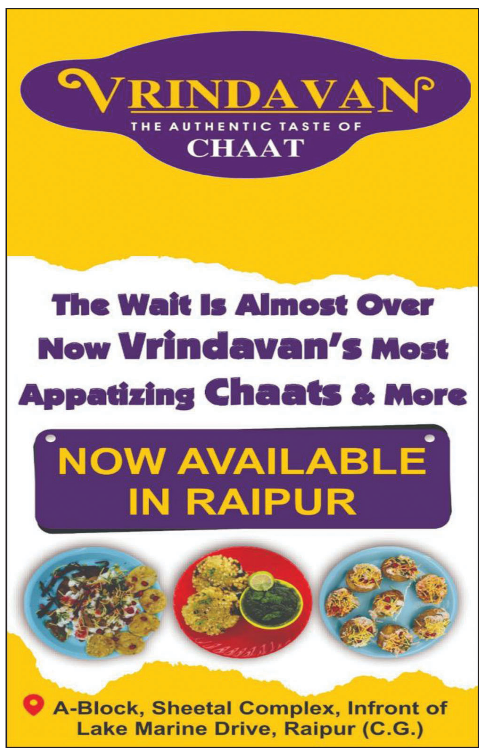

मत्स्य पालन के माध्यम से आत्मनिर्भर गांवों की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने, आजीविका के नए अवसर सृजित करने तथा किसानों और ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से प्रदेश में विभिन्न नवाचार आधारित योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान और जिला प्रशासन गौरेला-पेंड्रा-मरवाही के संयुक्त प्रयासों से विकासखंड पेंड्रा के ग्राम पंचायत अमारू को इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टर (आईएफसी) के अंतर्गत मत्स्य उत्पादन क्लस्टर के रूप में विकसित किया जा रहा है। यह पहल ग्रामीण आजीविका, महिला सशक्तिकरण और मत्स्य आधारित उद्यमिता को नई दिशा देने की महत्वपूर्ण पहल बनकर उभर रही है।

कलेक्टर विजय दयाराम के. के मार्गदर्शन तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मुकेश रावटे के निर्देशन में अमारू स्थित तालाब में लगभग 10 से 12 हजार मत्स्य स्पॉन का संचयन किया गया। इस पहल का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण मत्स्य बीज का उत्पादन सुनिश्चित कर मत्स्य पालन को लाभकारी एवं टिकाऊ आजीविका के रूप में विकसित करना है। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के माध्यम से संचालित यह नवाचार स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग के साथ ग्रामीणों को स्वरोजगार के नए अवसर उपलब्ध करा रहा है। मत्स्य स्पॉन के विकसित होकर फिंगरलिंग बनने के बाद इन्हें इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टर से जुड़े मत्स्य पालन उद्यमियों, महिला स्व-सहायता समूहों एवं अन्य हितग्राहियों को उपलब्ध कराया जाएगा। इससे गुणवत्तापूर्ण मत्स्य बीज की स्थानीय स्तर पर उपलब्धता बढ़ेगी, उत्पादन लागत में कमी आएगी तथा मत्स्य उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। यह पहल केवल मत्स्य पालन तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बहुआयामी स्वरूप प्रदान करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। स्थानीय स्तर पर मत्स्य बीज उत्पादन होने से ग्रामीणों को अतिरिक्त आय के अवसर मिलेंगे, स्वरोजगार को बढ़ावा मिलेगा तथा महिला स्व-सहायता समूहों की आर्थिक भागीदारी भी मजबूत होगी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और आत्मनिर्भर गांवों की अवधारणा को भी बल मिलेगा।

सरस्वती सायकल योजना से सशक्त होंगी बेटियां, 71 छात्राओं को मिला योजना का लाभ

नारायणपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप एवं कलेक्टर नम्रता जैन के निर्देशानुसार जिले में बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने तथा छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में सुगमता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित निःशुल्क सरस्वती सायकल योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बंगलापारा में 28 जुलाई 2026 को सायकल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद नारायणपुर के अध्यक्ष श्री इन्द्र प्रसाद बघेल थे। इस अवसर पर वार्ड पार्षदगण, शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि, विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की 71 पात्र छात्राओं को निःशुल्क सायकलों का वितरण किया गया। सायकल प्राप्त करते ही छात्राओं के चेहरों पर खुशी और उत्साह साफ झलक रहा था। छात्राओं ने कहा कि अब उन्हें विद्यालय आने-जाने में सुविधा होगी, समय की बचत होगी तथा नियमित रूप से अध्ययन करने में और अधिक प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने इस जनकल्याणकारी योजना के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्य अतिथि इन्द्र प्रसाद बघेल ने छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शासन की यह योजना बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने छात्राओं से सायकलों का सुरक्षित उपयोग करते हुए नियमित रूप से विद्यालय आने और शिक्षा के माध्यम से अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाने का आह्वान किया।

वैज्ञानिक खेती से सफलता की राहः नैनो डीएपी अपनाकर मिठाईलाल बने प्रगतिशील किसान

एमसीबी। जिले के ग्राम कछौड के प्रगतिशील किसान मिठाईलाल पिता इन्द्रदेव ने आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर यह साबित कर दिया है कि खेती में बदलाव की शुरुआत नई सोच और सही मार्गदर्शन से होती है। इफको नैनो डीएपी के सफल उपयोग ने उनकी खेती को नई दिशा दी है। अब कम लागत में बेहतर उत्पादन की उम्मीद ने न केवल उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया है, बल्कि आसपास के किसानों के लिए भी वे प्रेरणा बन गए हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684